संस्थापक :स्व.श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
रविवार
25 जनवरी 2026
वर्ष : 24 अंक : 213
कुल पृष्ठ : 08
मूल्य : एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा,पंजाब,हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

अमेरिकी टैरिफ से कपड़ा कारोबार को भारी नुकसान

● राहुल बोले-4.5 करोड़ नौकरियां दांव पर, मोदी जवाबदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को हरियाणा की एक कपड़ा फैक्ट्री का वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया। राहुल ने हाल ही में फैक्ट्री का दौरा किया था। राहुल मजदूरों और अफसरों से बातचीत करते हैं। कपड़ा काटने में खुद भी हाथ आजमाते नजर आते हैं। राहुल ने पोस्ट में लिखा- अमेरिकी टैरिफ से देश के कपड़ा एक्सपोर्टर्स को भारी नुकसान हुआ है। 4.5 करोड़ से ज्यादा नौकरियां और लाखों कारोबार दांव पर हैं, लेकिन मोदी ने न तो कोई राहत दी है और न ही अमेरिकी टैरिफ पर कुछ कहा।

मोदी जी, आप जवाबदेह हैं। कृपया इस मुद्दे पर ध्यान दें। राहुल ने लिखा कि अमेरिका में 50 फीसदी टैरिफ और अनिश्चितता भारत कपड़ा एक्सपोर्टर्स को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रही है। नौकरियां जा रही हैं, फैक्ट्रियां बंद हो रही हैं और ऑर्डर कम हो रहे हैं। यह हमारी 'डेड इकॉनोमी' की सच्चाई है। राहुल कहा कि भारत के लिए यह बेहद जरूरी है कि अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता किया जाए, जिसमें भारतीय कारोबार और मजदूरों के हित सबसे ऊपर रहें। उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी को अपनी कमजोरी का असर इकॉनमी पर और नहीं पड़ने देना चाहिए।

मुझे जो कुछ कहना है पार्टी के अंदर कहूंगा

● राहुल गांधी से नाराजगी के दावों के बीच थरूर की दो टूक

तिरुवंनतपुरम/कोझिकोड (एजेंसी)। कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर का राज्य प्रदेश कांग्रेस समिति की बैठक से गायब रहने पर केरल से दिल्ली तक हड़कंप मचा हुआ है। दावा किया जा रहा है कि शशि थरूर कोच्चि में राहुल गांधी के कार्यक्रम में प्रोटोकाल का पालन नहीं होने से नाराज हैं। इसीलिए वह पार्टी की एक अहम बैठक में नहीं गए थे। इससे राज्य के कार्यकर्ताओं में कांग्रेस की एकता को लेकर संदेह खड़ा हो रहा है। इस सब के बीच कोझिकोड पहुंचे शशि थरूर ने केंद्रीय नेतृत्व के साथ विवाद पर बोलने और कुछ कहने से मना कर दिया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि

चिंताओं को सीधे पार्टी लीडरशिप तक पहुंचाना बेहतर है। मीडिया में कई बातें सामने आई हैं, जिनमें से कुछ सच हो सकती हैं और कुछ नहीं। थरूर ने कहा कि और ऐसे मामलों पर पब्लिक प्लेटफॉर्म पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। मैंने पार्टी को पहले ही बता दिया था कि मैं प्रोग्राम में शामिल नहीं होऊंगा और मुझे जो कुछ भी कहना है, वह पार्टी के अंदर ही कहूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि एर्नाकुलम विवाद के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना है। मैं इस इवेंट में किताब लॉन्च करना चाहता था, लेकिन राजनीतिक कामों की वजह से जयपुर लिटरेचर फेस्टीवल में बुक लॉन्च टालना पड़ा। यही वजह है कि मैंने कोझिकोड में इस इवेंट में शामिल होने का फैसला किया। शशि थरूर का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब यह जानकारी सामने आई है कि उन्हें कांग्रेस नेतृत्व ने मनाने की कोशिश की है।

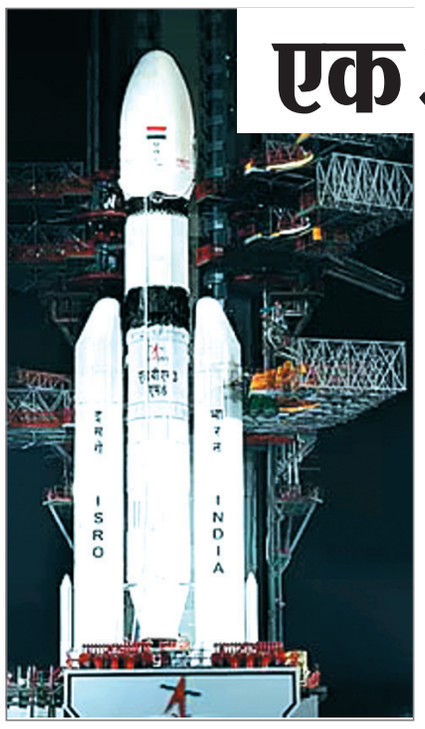

एक और छलांग लगाने की तैयारी में अपना इसरो !

अंतरिक्ष में बनाएगा अपना स्पेस स्टेशन,शुरू किया काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक और छलांग लगाने की तैयार कर रहा है। स्पेस एजेंसी ने अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की नींव रख दी है। भारतीय उद्योग जगत को साथ आने का न्योता दिया है। यह कदम भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा जिनके पास अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना (स्टेशन) है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने भारतीय कंपनियों के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है। इसके जरिए निजी क्षेत्र की कंपनियों को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल, ईआर-01 के निर्माण के लिए आमंत्रित किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहले चरण की शुरुआत 2028

में होगी। इसमें अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल (ईआर-01) को लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है।

2035 तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। सभी 5 मॉड्यूल्स के साथ स्टेशन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 400-450 किमी की ऊंचाई पर स्थापित होगा। शुरुआत में यह 3-4 अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने और वहां वैज्ञानिक प्रयोग करने में सक्षम होगा। इसरो ने भारतीय कंपनियों के लिए कड़े मानक तय किए हैं, क्योंकि यह मॉड्यूल इंसानों के रहने योग्य होगा। प्रत्येक मॉड्यूल 3.8 मीटर व्यास और 8 मीटर ऊंचा होगा। इसका निर्माण उच्च शक्ति वाले एल्युमिनियम मिश्र धातु (ए-2219) से किया जाएगा। निर्माण में 0.5 मिलीमीटर की भी गलती स्वीकार्य नहीं होगी। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग और फैब्रिकेशन तकनीक विकसित करनी होगी। इसरो ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। इसमें किसी भी विदेशी सहायता या आउटसोर्सिंग की अनुमति नहीं होगी। जो कंपनियां इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हैं उनके लिए कुछ शर्तें रखी गई हैं।

पीएम मोदी ने बांटे 61 हजार जॉब लेटर

● कहा-युवाओं को नए अवसर मिलें,ये हमारा प्रयास ● मोदी बोले-आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शनिवार को वर्चुअली 18वें रोजगार मेले में युवाओं को 61 हजार जॉब लेटर बांटे। ये नियुक्ति गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों में की गई है। रोजगार मेले का आयोजन देश के 45 जगहों पर किया जा रहा है। पीएम ने वर्चुअली संबोधन में कहा कि युवाओं को नए अवसर मिलें, ये हमारा प्रयास है। देशभर के स्टार्टअप में महिलाएं आगे हैं। कई स्टार्टअप में तो वे हेड हैं। महिला स्वरोजगार की दर में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पिछला रोजगार मेला 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री ने 22 अक्टूबर 2022 को रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। अब तक 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल चुका है।

भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ा

सरकारी भर्तियों को भी कैसे मिशन मोड पर किया जाए इसलिए रोजगार मेले की शुरुआत की गई। रोजगार मेला एक इंस्टीट्यूशन बन गया है। भारत की युवा शक्ति के लिए नए अवसर बने ये हमारा प्रयास है। हम कई ट्रेड एग्रीमेंट कर रहे हैं। इससे अनेकों अवसर आने वाले हैं। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का दायरा बढ़ रहा है। देश में दो लाख रजिस्टर्ड स्टार्टअप में 21 लाख युवा काम कर रहे हैं। भारत की इकोनॉमी तेजी से बढ़ रही है। आज भारत पर जिस तरह दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है इससे अनेकों संभावनाएं पैदा हो रही हैं। 2025 में टू व्हीलर की बिक्री दो करोड़ के पार पहुंच गई। आयकर और जीएसटी कम होने से लाभ हुआ। देश में बड़ी संख्या में रोजगार का अवसर पैदा हो रहा है। आज 8000 से ज्यादा बेटियों को नियुक्ति पत्र मिले। महिला स्वरोजगार की दर में 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आज कई स्टार्टअप में महिला डायरेक्टर हैं। गावों के कई रोजगार में महिलाएं हेड कर रही हैं। आपको एक और बात याद रखनी है। तेजी से बदले टेक के इस दौर में देश की प्राथमिकताएं बदल रही हैं। आपको खुद को लगातार अपग्रेड करना है। आईगॉट ऐप का उपयोग करें।

पंजाब में गणतंत्र दिवस से पहले हुआ बड़ा धमाका

● सरहिंद में रेलवे की आउटर लाइन पर ब्लास्ट,सुरक्षा अधिकारी घायल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब में रेल लाइन पर धमाका हुआ है। शुक्रवार रात करीब नौ बजे सरहिंद रेलवे स्टेशन की एक आउटर लाइन पर इंजन के गुजरने के दौरान धमाका हुआ। देर रात करीब 11 बजे इसकी सूचना राजकीय रेलवे पुलिस को दी गई। हमले में एक लोको पायलट के घायल होने की भी सूचना है। जीआरपी ने इस संदर्भ में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जांच के दौरान पुलिस पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके से कुछ सबूत जुटाए हैं ताकि फॉरेंसिक जांच के बाद यह मालूम किया जा सके कि यह धमाका किसी आतंकी साजिश का हिस्सा था या नहीं। रोपड़ रेंज के डीआईजी नानक सिंह भी मौके पर पहुंचे हैं।

भारत से एक्स्ट्रा 25 फीसदी टैरिफ हटा सकता है अमेरिका

● वित्तमंत्री बोले-भारत ने रूस से तेल खरीद घटाई,ये अमेरिका की बड़ी जीत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रम्प सरकार भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ में से आधा टैरिफ हटाने पर विचार कर सकती है। उन्होंने गुरुवार को अमेरिकी मीडिया वेबसाइट पॉलिटिको को दिए इंटरव्यू में कहा कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना काफी कम कर दिया है, इसलिए टैरिफ में राहत देने की गुंजाइश बन रही है। बेसेंट ने इसे अमेरिका की बड़ी जीत बताया और कहा कि भारत पर लगाया गया 25 फीसदी टैरिफ काफी असरदार रहा है और इसकी वजह से भारत की रूसी तेल खरीद घट गई है। उन्होंने कहा कि टैरिफ अभी भी लागू हैं, लेकिन अब इन्हें हटाने का रास्ता निकल सकता है। अमेरिका ने अगस्त 2025 में भारत पर दो बार टैरिफ लगाया था। पहली बार 1 अगस्त को व्यापार घाटे को लेकर 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया। इसके बाद 27 अगस्त को रूस से तेल खरीदने की वजह से एक बार और 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया।

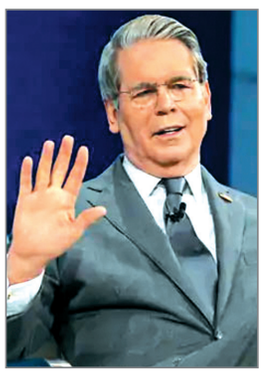

यूरोप भारत से तेल खरीद कर रूस की मदद कर रहा

बेसेंट ने यह भी कहा कि यूरोपीय देश भारत पर टैरिफ इसलिए नहीं लगा रहे हैं क्योंकि वे भारत के साथ बड़ा व्यापार समझौता करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह भारत से रिफाइंड तेल खरीदकर खुद ही रूस की मदद कर रहा है।

बिहार में अब नदियों से बालू-सीमेंट की ढुलाई !

● सड़क और रेल से 3 गुना सस्ता, रोजगार के अवसर भी होंगे ● परिवहन मंत्री ने की 7 राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास की घोषणा

पटना (एजेंसी)। बिहार में माल ढुलाई के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब राज्य की सड़कों पर भारी ट्रकों का दबाव कम होगा क्योंकि गंगा, कोसी, गंडक और सोन जैसी प्रमुख नदियों का इस्तेमाल कमर्शियल रूट के तौर पर किया जाएगा। केरल के कोच्चि में हुए इनलैंड वाटरवेज डेवलपमेंट काउंसिल की बैठक में परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार के 7 राष्ट्रीय जलमार्गों के विकास का रोडमैप पेश किया। उन्होंने बताया कि जलमार्ग न केवल सस्ता है, बल्कि

पर्यावरण के अनुकूल भी है। इस योजना के तहत नदियों के किनारे उद्योग और आधुनिक टर्मिनल विकसित किए जाएंगे, जो बिहार को सीधे वैश्विक व्यापार और पड़ोसी देश नेपाल से जोड़ेंगे। परिवहन मंत्री के अनुसार, जलमार्ग से माल ढुलाई की लागत मात्र 1.3 रुपये प्रति टन किलोमीटर है, जो सड़क मार्ग (3.62 रुपये) और रेल (2.41 रुपये) की तुलना में बेहद कम है। भारी सामग्री जैसे बालू, सीमेंट और स्टोन चिप्स की जहाज से ढुलाई होने पर 40 फीसदी तक बोझ कम हो जाएगा।

भारी जल संकट झेल रही दुनिया की आधी आबादी

● दिल्ली-मुंबई और बेंगलुरु में पानी की कमी,चेन्नई सूखे की कगार पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूनाइटेड नेशंस की नई रिपोर्ट में बताया गया कि दुनिया में आधी आबादी यानी करीब 4 अरब लोग जल संकट से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दुनिया के 100 सबसे बड़े शहरों में आधे शहरों को गंभीर पानी की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इनमें दिल्ली, बीजिंग, न्यूयॉर्क और रियो जैसे बड़े शहर शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 39 शहरों में स्थिति बेहद गंभीर है। रिपोर्ट में दिल्ली चौथे स्थान पर है। कोलकाता

9वें, मुंबई 12वें, बेंगलुरु 24वें और चेन्नई 29वें स्थान पर हैं। इसके अलावा हैदराबाद, अहमदाबाद, सूरत और पुणे भी लंबे समय से पानी की कमी झेल रहे हैं। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पहला आधुनिक शहर बन सकता है जहां पानी पूरी तरह खत्म हो जाए। मैक्सिको सिटी हर साल करीब 20 इंच की दर से धंस रही है क्योंकि भूमिगत जल अधिक उपयोग किया जा रहा है। अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी राज्यों में पानी को लेकर विवाद चल रहा है।

एसआईआर की चिंता में बंगाल में रोज 4 आत्महत्याएं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि बंगाल में एसआईआर की चिंता में हर रोज 3 से 4 लोग आत्महत्या कर रहे हैं। अब तक 110 से ज्यादा लोग मर चुके हैं। 40-45 लोग अस्पतालों में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इतने साल बाद क्या हमें यह साबित करना पड़ेगा कि हम इस देश के नागरिक हैं। ममता बनर्जी ने कोलकाता के रेड रोड पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के कार्यक्रम में ये बातें कही।

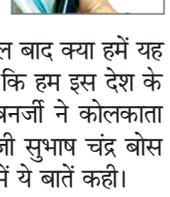

जय श्रीराम के उद्घोष से यूपी दिवस कार्यक्रम का आगाज

● अमित शाह पहुंचे प्रेरणा स्थल,मिशन 2027 का किया शंखनाद

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर यूपी महोत्सव का आयोजन हो रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लेने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लखनऊ पहुंचे। यूपी दिवस समारोह का आयोजन 24-26 जनवरी तक हो रहा है। यूपी दिवस समारोह का उद्घाटन अमित शाह ने किया। इससे पहले एयरपोर्ट पर सीएम योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक और अन्य नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री का

जोरदार स्वागत किया। इसके बाद अमित शाह राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंचे। कार्यक्रम को लखनऊ में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए। इस मौके पर अमित शाह ने एक जिला एक व्यंजन कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जय श्री राम का जयकारा लगाकर अपने संबोधन की शुरुआत की। भारत माता की जय के नारे भी लगे। इस दौरान आवाज हल्की होने पर गृह मंत्री ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि मौसम भी खुल गया है। ठंड कम हो गई है। आज यूपी दिवस का कार्यक्रम है। ऐसे में कमजोर आवाज से काम नहीं चलेगा। इसके बाद जय श्री राम के जयकारे से पूरा कार्यक्रम पंडाल गूंज उठा। इस मौके पर

केंद्रीय गृह मंत्री ने मोदी सरकार के विकसित भारत संकल्प का जिक्र किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यूपी में भी योगीजी ने प्रदेश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। 15 अगस्त 2047 को जब देश की आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी, तब यूपी विकसित बनेगा। विकसित भारत का अहम राज्य उत्तर प्रदेश है। हम आज इस संकल्प दोहराते हैं।

यूपी भारत की धड़कन और आत्मा है। अब यह प्रदेश देश के विकास का इंजन भी बन रहा है। सीएम योगी ने यूपी दिवस के मौके पर पीएम के बधाई संदेश को पढ़ा। पीएम ने लिखा है कि आज उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर उपायुक्त ने दिलाई मतदान की शपथ

धर्मशाला । राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी के उपलक्ष्य में आज उपायुक्त हेमराज बैरवा ने उपायुक्त कार्यालय में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थित नागरिकों को लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा रखते हुए मतदान करने की शपथ दिलाई। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके प्रत्येक नागरिक को मताधिकार प्रदान किया है, जो लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रत्येक मतदाता का कर्तव्य है कि वह अपने इस अधिकार का प्रयोग निर्भीक, निष्पक्ष और जिम्मेदारी के साथ करे। उपायुक्त ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि मतदान करते समय किसी भी प्रकार के प्रलोभन, दबाव, धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा अथवा व्यक्तिगत लाभ से प्रभावित हुए बिना केवल राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती को ध्यान में रखते हुए मतदान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण निर्वाचन ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान है और इसके लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी (नागरिक) मोहित रत्न, नायब तहसीलदार निर्वाचन संजय कुमार सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोलन में डॉ. शांडिल करेंगे ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित होने वाले ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यातिथि होंगे। यह जानकारी उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यातिथि सर्वप्रथम प्रातः 10.40 बजे कारगिल शहीद स्मारक पर कृतज्ञ प्रदेश वासियों एवं ज़िला वासियों की ओर से शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि डॉ. शांडिल तदोपरांत प्रातः 11.00 बजे ठोडो मैदान में ध्वज फहराएंगे। मुख्यातिथि उसके उपरांत पुलिस तथा गृह रक्षा एवं अन्य टुकड़ियों द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अन्य को सम्मानित भी किया जाएगा।मनमोहन शर्मा ने सोलन निवासियों से आग्रह किया ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर बड़ी संख्या में ठोडो मैदान पहुंचे और कार्यक्रम का आनन्द उठाएं।

डॉ. शांडिल 26 व 27 जनवरी को सोलन ज़िला के प्रवास पर

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल 26 व 27 जनवरी, 2026 को सोलन ज़िला के प्रवास पर आ रहे हैं। डॉ. शांडिल 26 जनवरी, 2026 को प्रातः 11.00 बजे सोलन में आयोजित होने वाले ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री 27 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.30 बजे उपायुक्त कार्यालय सोलन में ज़िला स्तरीय शिकायत निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। डॉ. शांडिल तदोपरांत सांय 03.00 बजे कथेड़ में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय अस्पताल का निरीक्षण करेंगे।

एनजीटी तथा उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करें सभी विभाग: एडीसी

धर्मशाला । सभी विभाग नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल तथा उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करें । उपायुक्त कार्यालय धर्मशाला में आज शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के तहत कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त विनय कुमार ने यह बात कही । बैठक में जिला में एनजीटी के तहत गठित समितियों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई । एडीसी ने कहा कि एनजीटी के नियमों को लेकर सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग के कार्यों के प्रति जिम्मेदार रहें तथा इसकी अनुपालन के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में तेजी से कार्यों का निर्वहन करें । उन्होंने कहा कि पर्यावरण में स्वच्छता बनाए रखने के दृष्टिगत नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से सॉलिड वेस्ट, प्लास्टिक वेस्ट, बायो मेडिकल वेस्ट, ई-वेस्ट तथा कंस्ट्रक्शन वेस्ट आदि के प्रबंधन के लिए जो नियम बनाए गए है, उनका सफल तरीके से क्रियान्वयन विभाग सुनिश्चित करें । उन्होंने कहा कि जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ठोस एवं तरल कचरे का सही निष्पादन सुनिश्चित किया जा सकता है, इस दिशा में भी विभागों को कार्य करना चाहिए ।बैठक में बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के तहत जिला में स्वास्थ्य सुविधाओं, जिला में बायो मेडिकल वेस्ट की मात्रा व उनका प्रबंधन, बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के लिए ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने आदि बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई । इसके अलावा जिला में चल रहे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यप्रणाली, निर्माणाधीन प्लांट की प्रगति आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई । इस अवसर पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एसडीओ वरूण गुप्ता ने बैठक का संचालन किया तथा विभिन्न मुद्दों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया । इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया ।

उप-मुख्यमंत्री ने दी पूर्ण राज्यत्व दिवस की शुभकामनाएं

शिमला । उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल प्रदेश के 56वें पूर्ण राज्यत्व दिवस के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं । 25 जनवरी, 1971 से राज्य की यात्रा को याद करते हुए, उप-मुख्यमंत्री ने उन दूरदर्शी नेताओं और मेहनती नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने हिमाचल को देश भर के पहाड़ी राज्यों के लिए विकास का एक रोल मॉडल (आदर्श) बना दिया । अपने संदेश में, श्री अग्निहोत्री ने विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे, शिक्षा और समाज कल्याण में राज्य द्वारा की गई अपार प्रगति पर प्रकाश डाला । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हिमाचली लोगों का साहस और लचीलापन ही राज्य के एक साधारण शुरुआत से आधुनिक, जीवंत अर्थव्यवस्था के पीछे की प्रेरक शक्ति रही है । उन्होंने उल्लेख किया कि राज्यत्व दिवस भविष्य के नवाचारों के लिए प्रयास करते हुए राज्य की अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है । उप-मुख्यमंत्री ने समान विकास सुनिश्चित करने और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया । उन्होंने युवाओं से राज्य के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने और हिमाचल प्रदेश को एक आत्मनिर्भर और समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया । उन्होंने सभी निवासियों के लिए शांति, प्रगति और सद्भाव की कामना की ।

लोक भवन में उत्तर प्रदेश एवं पूर्वोत्तर राज्यों के स्थापना दिवस समारोह आयोजित

शिमला । राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त करते हुए आज यहां लोक भवन में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर के स्थापना दिवस मनाए गए । यह कार्यक्रम 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें इन चारों राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और साझा परंपराओं को रेखांकित किया गया । इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल तथा लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई । इस अवसर पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य धर्मेंद्र भारद्वाज विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने अपने गृह राज्य की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व किया ।इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाने से आपसी सौहार्द, प्रेम और भाईचारे की भावना को बल मिलता है । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' पहल सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम है, जो देश के नागरिकों को एक-दूसरे की परंपराओं और मूल्यों से जोड़ती है तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करती है । राज्यपाल ने कहा कि ऐसे आयोजन सहयोग और एकता की भावना के प्रतीक हैं तथा भारत की अखंडता को सुदृढ़ करते हैं । उन्होंने हिमाचल प्रदेश में निवास कर रहे उत्तर प्रदेश, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर के लोगों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं । कार्यक्रम के दौरान प्रतीकात्मक सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी किया गया । धर्मेंद्र भारद्वाज ने उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग की ओर से राज्यपाल एवं लेडी गवर्नर को पारंपरिक उपहार एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए । समारोह में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विविधता पर आधारित एक लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया । इसके पश्चात पूजा कलामंच के कलाकारों द्वारा उत्तर प्रदेश की लोक परंपराओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ज्ञानेश्वर सिंह, उप महानिरीक्षक पुलिस अंजुम आरा सहित अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे ।

शिक्षा से विनय, विनय से विकास : केवल सिंह पठानिया

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सशक्त भविष्य की आधारशिला

शाहपुर । शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने आज प्रस्तावित राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल , राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रैत में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस एवं हिमाचल प्रदेश के पूर्ण राज्यत्व दिवस के पूर्व दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है, जो शांति, समानता और सतत विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस सभी के लिए समावेशी, समान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार पर बल देता है, जिससे शिक्षा के माध्यम से गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने सभी उपस्थित जनों को अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस तथा हिमाचल प्रदेश पूर्ण राज्यत्व दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। केवल सिंह पठानिया ने कहा कि ग्रामीण परिवेश के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में युक्तिकरण, क्लस्टर सिस्टम तथा पहली कक्षा से अंग्रेज़ी शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने हेतु अध्यापकों को एक्सपोज़र विज़िट पर भेजा जा रहा है, ताकि शिक्षण गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों की स्थापना की गई है। विधायक ने जानकारी दी कि रैत विद्यालय को राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से भव्य भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चम्बी मैदान में लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक खेल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध हो सके। विद्यालय के प्रधानाचार्य शमशेर भारती ने मुख्यातिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की शैक्षणिक व सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय के 11 विद्यार्थियों को लगभग 2 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है, जबकि अन्य 108 विद्यार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत छात्रवृत्तियों का लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं। वहीं नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नशामुक्त हिमाचल–नशामुक्त परिसर अभियान के तहत लघु नाटिका के माध्यम से नशे से दूर रहने का सशक्त संदेश दिया। इस अवसर पर विधायक ने जमा दो में प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अंकिता (सुपुत्री कुशल कुमार) को 11,000 रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की तथा अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में एसडीएम शाहपुर गणेश ठाकुर, विधानसभा के पूर्व सचिव गोवर्धन, एटीसी शाहपुर प्रभारी एवं वैज्ञानिक अधिकारी सुनंदा पठानिया, कांग्रेस नेता डी.डी. शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत राणा, महासचिव प्रदीप बलौरिया, जिला परिषद सदस्य नीना ठाकुर, शहरी कांग्रेस प्रधान उत्तम चम्बियाल, बीएमओ शाहपुर डॉ. कविता, अधिशासी अभियंता जल शक्ति विभाग अमित डोगरा, बीडीओ रैत कमलजीत, सहायक अभियंता लोक निर्माण विपुल पुंज,प्रधानाचार्य बलजीत दियोलिया, अनिल जरयाल, रिशु समयाल, भाग सिंह, राकेश कटोच, बीईईओ मिंटो देवी, उपमुख्य सचेतक के सलाहकार विनय, रीना पठानिया, शिवानी, मधुबाला सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापक, विभागीय अधिकारी, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर रैत में उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम, विधायक रहे मुख्यातिथि

एचपीटीडीसी के स्थानीय होटलों, ईसीएचएस और नशा मुक्ति केंद्र में भी उपलब्ध करवाएं पंचकर्म सुविधाएं: हेमराज बैरवा

आयुर्वेदिक सेवाओं के उन्नयन को लेकर आरकेएस बैठक आयोजित, कई प्रस्ताव स्वीकृत

धर्मशाला । जिला आयुर्वेदिक अस्पताल धर्मशाला की रोगी कल्याण समिति (आरकेएस) की गवर्निंग बॉडी की बैठक आज उपायुक्त कांगड़ा एवं अध्यक्ष आरकेएस हेमराज बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आयुष विभाग, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी तथा आरकेएस के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में 16 जनवरी 2024 को आयोजित शासकीय समिति की पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर हुई कार्रवाई पर चर्चा की गई। समिति द्वारा वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के आय-व्यय विवरण पर विचार-विमर्श कर उसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित व्यय 12 लाख 5 हजार को भी स्वीकृति प्रदान की गई। गवर्निंग बॉडी द्वारा अस्पताल में रखरखाव से संबंधित विभिन्न आवश्यक कार्यों को करवाने की भी स्वीकृति प्रदान की गई।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने एचपीटीडीसी के स्थानीय होटलों के साथ आपसी सहयोग स्थापित कर पंचकर्म सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही ईसीएचएस लाभार्थियों को पंचकर्म एवं आयुष सेवाएं प्रदान करने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने प्रयास भवन, धर्मशाला स्थित नशा मुक्ति केंद्र में उपचाराधीन व्यक्तियों को पंचकर्म सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर बल दिया। इसके साथ ही चिकित्सालय में संचालित मेडिकल स्टोर की की टेंडर प्रक्रिया को 31 मार्च 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने चिकित्सालय के नए भवन के निर्माण कार्य को शीघ्र आरंभ करने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए। उपायुक्त ने कहा कि आयुर्वेदिक सेवाओं को और अधिक सृदृढ़, बनाने के लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। बैठक में ओएसडी आयुष डॉ. सुनीत पठानिया, डिप्टी डायरेक्टर (कांगड़ा जोन) डॉ. पूनम जरेट, जिला आयुष अधिकारी कांगड़ा डॉ. बृज नंदन, प्रभारी जिला आयुर्वेदिक अस्पताल डॉ. शिखा शर्मा, सीएमओ कांगड़ा डॉ. विवेक करोल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अनुज कश्यप, रमेश धीमान (एसडीओ, स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड), ओपी शर्मा, अजय संध्या, जिला कल्याण अधिकारी साहिल मांडला, पीओ डीआरडीए भानु प्रताप सिंह, डीपीओ अशोक कुमार शर्मा, डॉ. आशीष राणा, इंजीनियर संदीप गुलेरिया, नवीन कुमार शर्मा, नंदिनी सहित अन्य अधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।06

25 जनवरी राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर माय भारत द्वारा किया जाएगा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

धर्मशाला । उप निदेशक मेरा युवा भारत कांगड़ा ध्रुव डोगरा ने आज यहां जानकारी देते हुए बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में माय भारत, कांगड़ा और भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र धर्मशाला द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर 25 जनवरी 2026 को एक भव्य मतदाता जागरूकता रैली, पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं एवं नागरिकों को मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करना, लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाना तथा अधिकाधिक युवाओं को सक्रिय लोकतांत्रिक सहभागिता हेतु प्रेरित करना है। यह रैली साई स्टेडियम, धर्मशाला से प्रारम्भ होकर गांधी स्मारक, धर्मशाला और वापसी पर सम्पन्न होगी, जिसमें युवाओं, स्वयंसेवकों, छात्र-छात्राओं तथा जनसामान्य की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विशेष अपील की जा रही है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी का उत्सव है, और एक सशक्त राष्ट्र की नींव तभी मजबूत होती है जब प्रत्येक युवा नागरिक जागरूक होकर निर्भीक, निष्पक्ष एवं नैतिक मतदान करता है। उन्होंने सभी युवाओं से आग्रह किया कि वे 25 जनवरी 2026 को अधिक से अधिक संख्या में रैली में सम्मिलित होकर गर्व से मतदान करें का संदेश जन-जन तक पहुँचाये तथा लोकतांत्रिक सहभागिता को जन आंदोलन का रूप दें। साथ ही उन्होंने युवाओं से यह भी अपील की कि वे माय भारत पोर्टल पर स्वयं को रजिस्टर कर माय भारत के साथ सक्रिय रूप से जुड़ें, ताकि देश निर्माण से जुड़ी विभिन्न जनहितकारी गतिविधियों में सहभागिता कर सकें। उन्होंने समस्त युवा संगठनों, शिक्षण संस्थानों, एनसीसी इकाइयों, स्वयंसेवी समूहों एवं नागरिकों से अनुरोध किया कि वे इस रैली में सहभागिता कर राष्ट्रीय मतदाता दिवसदृ2026 को ऐतिहासिक एवं प्रभावशाली बनाएं।

पर्यटन होटलों को मिली गोल्फ कार्ट की सौगात, आर.एस. बाली ने किया शुभारंभ

पालमपुर । हिमाचल प्रदेश के चार पर्यटन होटलों को गोल्फ कार्ट की सुविधा प्रदान की गई है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष एवं पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आर.एस. बाली ने पालमपुर स्थित टूरिज्म होटल से गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक पर्यटन राजीव कुमार सहित निगम के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। आर.एस. बाली ने खज्जियार, चायल और मसूरी स्थित पर्यटन होटलों के लिए भी गोल्फ कार्ट की सुविधा प्रदान की, जिनका शुभारंभ उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर बाली ने कहा कि पर्यटन होटलों में गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध होने से यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी तथा पर्यटन निगम के होटल पहले से अधिक आकर्षक बनेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई निजी होटलों में इस तरह की सुविधाएं उपलब्ध हैं, ऐसे में पर्यटन निगम के होटलों में गोल्फ कार्ट की शुरुआत पर्यटकों को आकर्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य पर्यटन निगम के होटलों की आय में वृद्धि करना है, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक इन होटलों की ओर आकर्षित हों। बाली ने जानकारी दी कि चायल पर्यटन होटल को दो गोल्फ कार्ट जबकि पालमपुर, मसूरी और खज्जियार के पर्यटन होटलों को एक-एक गोल्फ कार्ट प्रदान की गई है। इन गोल्फ कार्ट की कुल लागत लगभग 48 लाख रुपये है।

पूर्ण राज्यत्व दिवस पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

धर्मशाला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश के 56वें पूर्ण राज्यत्व दिवस के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ण राज्यत्व दिवस हिमाचल प्रदेश की गौरवशाली यात्रा, ऐतिहासिक संघर्षों और जनएकजुटता का जीवंत प्रतीक है। यह दिवस हमें अपने स्वर्णिम अतीत से प्रेरणा लेने तथा प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए नए संकल्प अपनाने का अवसर प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दूरदर्शी नेतृत्व का सम्मान व्यक्त करते हुए 'हिमाचल के शिल्पकार' डॉ. वाई.एस. परमार सहित उन सभी महान विभूतियों को याद किया, जिनकी दूरदृष्टि, त्याग और अथक प्रयासों से प्रदेश ने देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। उन्होंने देश की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के अविस्मरणीय योगदान को भी स्मरण करते हुए कहा कि 25 जनवरी, 1971 को शिमला के ऐतिहासिक रिज पर भारी हिमपात के बीच हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की घोषणा प्रदेश के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है। प्रदेश के भविष्य की दिशा पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार मिशन मोड में कार्य करते हुए प्रदेश की आर्थिक संरचना को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को पूर्णतः आत्मनिर्भर राज्य बनाने का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण के अंतर्गत प्रदेश को देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने की दिशा में ठोस एवं परिणामोन्मुखी कदम उठाए जा रहे हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

जन्मदिन विशेष

मुख्यमंत्री के तौर पर मजबूती से आगे बढ़ रहे नायब सैनी...

● जन-जन को भाने लगा है सीएम का सादगी भरा अंदाज ● सीएम बनाने का भाजपा का फैसला हो रहा रहा है कारगर साबित

भारतीय जनता पार्टी के साधारण कार्यकर्ता से लेकर प्रदेशाध्यक्ष और सरकार में राज्यमंत्री से मुख्यमंत्री तक हर भूमिका में स्वयं का साबित कर चुके नायब सैनी हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में अनूठी पहचान बना रहे हैं। आम जन सा दिखने वाला यह मुख्यमंत्री जब अपने जीवन के 56 वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तो प्रदेश की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी पार्टी के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहा है। नारायणगढ़ के छोटे से गांव में जन्मा हरियाणा सरकार का यह नायक बिहार व दिल्ली के चुनाव में सफल रहा ही है अब पंजाब में लोकप्रियता के नए मुकाम छू रहा है। प्रदेश की महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह देने का वायदा निभाकर सबका भाई बन चुका यह राजनेता सत्ता के शिखर पर बैठ कर भी सबको अपना सा लगता है। अपने ठेठ हरियाणवी सरल, सौम्य अंदाज में आम जन के दिलों में लगातार जगह बना रहे हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आज जन्मदिन है।

नायब सिंह सैनी के मुख्यमंत्री तक के सफर पर नजर डाली जाए तो उनके परिवार की जड़ें कुरुक्षेत्र के गांव मंगोली जाटान से जुड़ी हुई हैं। बाद में उनका परिवार अंबाला जिला के गांव मिर्जापुर माजरा शिफ़्ट हो गया। जहां भविष्य मे हरियाणी की चौदहवीं विधानसभा के अंतिम छह माह में प्रदेश का नेतृत्व अपने हाथ में संभालने वाला बालक पैदा हुआ। 25 जनवरी 1970 को जन्में नायब सिंह सैनी ने राजनीतिक ककहरा भाजपा की पाठशाला में ही सीखा। उन्होंने अंबाला में बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर राजनीतिक पाठशाला में दाखिला लिया। इसके बाद वे किसान मोर्चा में महामंत्री बनें। इस दौरान गाय के संरक्षण के लिए चले अभियान में भी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सक्रिय से भाग लिया। बाद में वे अंबाला में भाजपा के अध्यक्ष भी बनें। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2009 का विधानसभा चुनाव भी नायरायणगढ़ हलके से लड़ा लेकिन पहला चुनाव वे हार गए। इसके बाद भी उन्होंने सक्रियता जारी रखी। उन्होंने अगला चुनाव वर्ष 2014 का भी नारायणगढ़ हलका से लड़ा और 24 हजार से अधिक वोटों से विजयी हुए। पहले ही चुनाव में जब वे जीते तो भाजपा ने भी स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाई। पहली ही बार में विधायक बनते ही उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया। इसके बावजूद वे पार्टी संगठन के कार्यालयों से जुड़े रहे और बारीकि से संगठन मजबूती में प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ जुटे रहे। इसके बाद उनका राज्यमंत्री का कार्यकाल पूरा भी नहीं हुआ था कि उन्हें कुरुक्षेत्र लोकसभा से वर्ष 2019 का भाजपा का टिकट थमा दिया गया। इस राजनीतिक युद्ध में भी वे जीते। बतौर सांसद भी उन्होंने अपने कार्य से अमिट छाप छोड़ी और वे कैथल व कुरुक्षेत्र में लगातार सक्रिय रहे। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने आमजन के बीच रहकर उनके कष्ट दूर करवाए। चाहे कैथल में ऑक्सीजन प्लांट की बात हो या फिर उस समय ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर उपलब्ध करवाने की बात हो। दवाओं से लेकर उन्होंने आमजन को मास्क व सैनीटाइजर वितरित करवाने के लिए लगातार अभियान चलवाए। बतौर सांसद उनका कार्यकाल शानदार रहा था यही कारण है कि भाजपा आला कमान उनके कार्य की इतना मुरीद हो गई कि उन्हें हरियाणा भाजपा के संगठन की कमान सौंप दी गई। बतौर सांसद उनका कार्यकाल पूरा भी नहीं हुआ था और उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनें भी कुछ ही माह हुए थे कि भाजपा आलाकमान व विधायकों के समर्थन उन्हें हरियाणा की राजगद्दी सौंप दी गई और वे हरियाणा के मुख्यमंत्री बन गए।

उन्होंने करनाल से विधायक बनने के लिए चुनाव लड़ा और जीता। महज छह माह में उन्होंने हरियाणा में बतौर सीएम ऐसी छाप छोड़ी कि हरियाणा की जनता ने ऐसे माहौल में उन्हें हरियाणा की बागडोर सौंप दी, जब पूरे प्रदेश में कांग्रेस की 70 सीटें आने की बात कही जा रही थी लेकिन यह नायब सिंह सैनी ही थे जो लगातार कह रहे थे कि भाजपा की ही सरकार बनने जा रही है। उन्हें हरियाणा का चन्नी कहा जा रहा था लेकिन उन्होंने अपने राजनीतिक कौशल से वे मंजे हुए राजनीतिज्ञ साबित हुए। प्रदेश की जनता को उन पर विश्वास ही था कि वर्ष 2024 के चुनाव में हरियाणा की जनता ने स्पष्ट बहुमत से भाजपा को तीसरी बार सत्ता सौंप दी। इसका बड़ा कारण आमजन के बीच हरियाणा के नए नवेले मुख्यमंत्री की गहरी पैठ रही। उन्होंने सीएम बनते ही प्रदेश में सीएम आवास के दरवाजे आमजन के लिए खोल दिए। अपनी पहली कलम से हरियाणा के किसानों को फसल खराबे का 88 करोड़ मुआवजा देने की शुरूआत कर मुख्यमंत्री ने आज तक ऐसे अनेकों फैसले लिए हैं, जो आने वाले समय में नजीर बनकर याद किए जाएंगे।

प्रदेश में सफर के बीच में अलाव सेंकते, सडक़ पर स्वागत के लिए खड़े और गांवों में पेड़ की छांव में बैठे बुजुर्गों व आम लोगों के बीच जाकर उनका हाल-चाल जानना और उनकी तकलीफें सुनना मुख़्यमंत्री को आम जन मानस के बीच खड़ा करता है और हरियाणा का आम जन मानस यह महसूस करता है कि वे हमारे राजा नहीं बल्कि हमारे बीच के ही व्यक्ति हैं। जो आम आदमी के दुख दर्द को बखूबी समझते हैं। सत्ता का नशा चढऩे की बजाए नायब सिंह सैनी पर राजनीति को सेवा का माध्यम बनाने का जो जुनून सवार है, वह उन्हें निश्चित तौर पर राजनीति में नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएगा।

वे जमीनी स्तर पर कार्य, जिन्हें नायब सिंह सैनी को आम जन मानस के बीच लोकप्रिय बनाया - मुख्यमंत्री बनते ही उन्होंने कैंसर के मरीजों के लिए मदद सहित 54 दुलर्भ बीमारियों के ईलाज में सहायता के लिए पोर्टल लांच किया। इसके बाद एक लाख अस्सी हजार तक की आय वाले हरियाणा के परिवारों के 84 लाख हरियाणवियों को एक हजार किलोमीटर तक निशुल्क बस यात्रा का तोहफा नायब सिंह सैनी ने हरियाणा की जनता को दिया। इसके बाद हरियाणा में 50 हजार सरकारी नौकरियां देने का ऐलान किया। विधानसभा चुनाव से पहले विपक्ष द्वारा चयन के बावजूद ज्वाइनिंग पर सवाल उठाने पर नायब सिंह सैनी ने विश्वास दिलवाया था कि वे शपथ बाद में लेंगे और युवाओं को ज्वाइनिंग पहले करवाएंगे। परिणाम आया तो नायब सिंह सैनी ने युवाओं को शपथ लेने के दिन ही ज्वाइनिंग करवाकर अपना वायदा पूरा किया। उनकी अगुवाई में अनुसूचित जाति के ए व बी के विभाजन को मंजूरी दी गई। जिसके विभिन्न वर्गों के लिए अब सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। नायब सिंह सैनी ने दस जून को 7500 से अधिक बीपीएल लाभार्थियों को सौ-सौ गज के प्लाटों पर कद्ब्रजा दिलवाया।

आमजन की शिकायतों के तुरंत निवारण के लिए उन्होंने समाधान पोर्टल शुरू करवाया। जिसके आज सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। हरियाणा में हर सोमवार व वीरवार को उपमंडल व जिलास्तर पर अधिकारी अपने कार्यालयों में बैठकर आमजन की शिकायतें सुनते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा इन शिकायतों का फालो-अप लेकर आगामी कार्रवाई की जाती है। स्वयं सीएम नायब सिंह सैनी कई बार

इन शिविर में भाग लेकर आमजन की शिकायत सुन चुके हैं। उन्होंने पिछले साल सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश की सभी सडक़ों की मरम्मत अगस्त माह तक हो जानी चाहिए। नायब सिंह सैनी ही थे, जिन्होंने भवन निर्माण मजदूरों के लिए रुके हुए लाभ को तुरंत जारी करवा दिया। यह नायब सिंह सैनी की जागरूकता ही थी कि बाढ़ रोकथाम के लिए मई 2025 में ही बैठकें लेकर सख़्त निर्देश जारी किए।

सीएम की जमीनी स्तर पर समस्याओं की पकड़ इतनी गहरी है कि उन्होंने दाखिले के समय ही अनुसूचित जाति के बच्चों को छात्रवृत्ती देने के आदेश जारी किए। मुख्यमंत्री की अगुवाई में निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से 121 एचसीएस एलाइड सर्विसेज के अधिकारियों का परिणाम जारी कर युवाओं को सुनहरे भविष्य का रास्ता खोला। उन्होंने प्रदेश के युवाओं को 100 से अधिक योगशालाएं दीं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने ग्रुप सी की नौकरियों में पात्र खिलाडिय़ों को तीन प्रतिशत अलग से कोटा देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। उन्होंने हिसार हवाई अड्डे के विस्तारीकरण का ऐतिहासिक फैसला लिया। जिसके लिए 544 करोड़ रुपये की राशि से शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। पिछड़ा वर्ग को लाभ देते हुए उन्होंने क्रीमीलेयर की आय सीमा छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख कर दी। जिसमें वेतन व कृषि आय को शामिल नहीं करने का ऐलान किया। नायब सिंह सैनी ने स्वतंत्रता सेनानियों व उनके आश्रितों की पेंशन को 25 हजार से बढ़ाकर 40 हजार कर दी। साथ ही आपातकाल में सेनानियों व हिंदी आंदोलन के सेनानियों की पेंशन दस हजार से बढ़ाकर 20 हजार कर दी। उन्होंने जून 2024 में ही प्रदेश में जल वितरण व्यवस्था के लिए एक हजार करोड़ की भारी भरकम राशि की मंजूरी दी।

नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में तीन लाख रुपये तक निशुल्क किडनी व लीवर ट्रांसप्लांट की सुविधा देने का ऐतिहासिक फैसला लिया। उन्होंने इसी अवधि जून 2024 में एचकेआरएन के कर्मचारियों के वेतनमान में बढ़ौतरी का फैसला लिया। इसके साथ ही उन्होंने नगर पालिका, नगर परिषद के सफाई कर्मियों का न्यूनतम मानदेय 17 हजार करने व ग्रामीण सफाई कर्मियों का मानदेय 16 हजार करके विशेष तोहफा देने का काम किया। कई साल से हरियाणा में सरपंचों के लिए मुद्दा बनी समस्या का समाधान करते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने बिना टेंडर लगाए कार्य करवाने की सीमा 21 लाख तक तय करने व सरपंचों को हरियाणा में टीए व डीए देने का पहली बार ऐतिहासिक फैसला लागू किया। वन मित्रों को भी बीस रुपये प्रति पेड़ देने का फैसला लिया।

सीएम नायब सिंह सैनी ने अग्निवीर योजना में काम करके आने वाले युवाओं को रोजगार की गारंटी देने की पहल करते हुए कांस्टेबल, माइनिंग गार्ड, फोरेस्ट गार्ड व जेल वार्डन व एसपीओ की सीधी भर्ती में पहले दस प्रतिशत आरक्षण बाद में पुलिस भर्ती में इस कोटो को बढ़ाकर 20 प्रतिशत देने वाला हरियाणा का पहला राज्य बनाने का काम किया। उनकी अगुवाई में 978 पुलिस कर्मियों ने ज्वाइनिंग की। उन्होंने जल संरक्षण के लिए मानसून सीजन 2024 में कैच द रैन 2024 मिशन चलाकर जल संरक्षण सरंचनाओं का निर्माण करवाया। मुख्यमंत्री ने एक ओर ऐतिहासिक फैसला लिया ओर हरियाणा में 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का फैसला लेकर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की। नायब सिंह सैनी ने पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में पिछड़ा वर्ग में बी श्रेणी को भी आरक्षण देने का बड़ा फैसला लागू किया। इसके साथ ही गो संरक्षण के लिए प्रतिदिन चार रुपये प्रति गाय के हिसाब से दी जाने वाली राशि को बढ़ाकर पांच गुणा कर दिया और उन्होंने गाय के लिए 20 रुपये व नंदी के लिए 25 रुपये और बछड़ा बछड़ी के लिए 10 रुपये चारा राशि प्रत्येक को देने की नीति लागू की। उन्होंने ग्रुप डी की भर्ती के बाद एचकेआरएन या अन्य माध्यम से लगे अस्थाई कर्मचारी को अन्य उपयुक्त रिक्त पद पर नियुक्ति का अधिकार भी संबंधित विभाग के अध्यक्ष को देने का काम किया।अगस्त 2024 में ही उन्होंने अनुबंधित कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा देने की पहल करते हुए एक लाख 20 हजार कर्मचारियों की नौकरी को पक्का करने की बड़ी घोषणा की और इस योजना को लागू किया। पत्रकारों की पेंशन राशि को भी बढाकर दस से पंद्रह हजार करने के फैसले को लागू किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बीपीएल परिवारों की महिलाओं को पांच सौ रूपये में गैस सिलेंडर देने का फैसला लागू किया। महिला उत्थान के लिए उन्होंने ड्रोन दीदी योजना के अलावा कांट्रेक्टर सक्षम युवा व आईटी सक्षम युवा योजना को लागू किया। मुख्यमंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल में 25 हजार युवाओं को नौकरी देने के बाद अक़्तूबर 2024 में सभी सरकारी अस्पतालों में क्रोनिक किडनी रोगियों को निशुल्क डायलिसिस सेवा देने की सौगात दी। उन्होंने हरियाणा में महिला कर्मचारियों को ग्रुप सी व ग्रुप डी की महिला कर्मचारियों को उनके पसंदीदा जिलों में तैनात करने की नीति को लागू करवाया।

नायब सिंह सैनी ने गुरु नानक देव जी के 555वें प्रकाश पर्व पर कई परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसके तुरंत बाद नायब सिंह सैनी ने हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को विभाजित करने की रिपोर्ट की सिफारिशों को मंजूरी देकर एससी एवं डीएससी को मंजूरी दी। उन्होंने सरकारी व निजी अस्पतालों में मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन करवाने की योजना को मंजूरी देकर बड़े स्तर पर लोगों को राहत प्रदान की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुवाई में हरियाणा में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का पहला आम चुनाव पूरी तरह से शांति एवं सदभाव के साथ संपन्न हुआ।

हरियाणा में कच्चे से पक्के किए गए कर्मचारियों को पदोन्नति एवं एसीपी स्केल के लाभ देने की मंजूरी दी गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ही दूरदर्शी सोच रही कि दिल्ली में लोगों को पेयजल उपलदब्रध करवाने के लिए हर तरह की कार्रवाई की। अब नायब सिंह सैनी द्वारा पंजाब में लगातार सक्रिय रहकर वहां के आमजन की आवाज बुलंद की जा रही है। अमर शहीद साहिबजादों जोरावर सिंह व फतेह सिंह की शहीदी दिवस को वीर बाल दिवस मनाने के पीएम नरेंद्र मोदी के ऐलान के बाद हरियाणा में पूरी श्रद्धा के साथ मनाया। साथ ही गुरु तेग बहादुर जी की याद में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाकर उनकी शहादत को नमन किया। 23 दिसंबर 2024 को उनके आदेश पर हरियाणा में 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने की अधिसूचना जारी की गई। मुख्यमंत्री की अगुवाई में सरकार ने न्यायालय के निर्देशानुसार ग्रुप सी व ग्रुप डी के पदों के लिए सीईटी के नियमों में संशोधन करते हुए आर्थिक आधार के अंकों को हटाने का फैसला लिया।

वर्ष 2025 के बजट में खेल नर्सरी बढ़ाने, छात्रवृत्ति व डाइट बढ़ाने, पंचायतों की कच्ची फिरनियों को पक्का करने, 754 गांवों में महिला चौपाल बनाने, 2200 नए अमृत सरोवर बनाने, हरियाणा सरकार के कर्मियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना, उद्योगों को बढ़ावा देने, भविष्य का विभाग बनाए जाने सहित अनेकों आमजन मानस से जुड़े फैसले लागू कर नायब सिंह सैनी आमजन के चहेते सीएम बन गए। मुख्यमंत्री ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में 857 योग सहायकों की नियुक्ति का ऐतिहासिक फैसला लिया। इसके साथ ही हरियाणा में विवादों की जड़ को समाप्त करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने ऐतिहासिक फैसला लिया और पंचायत की 500 वर्ग गज तक की भूमि पर बनाए हुए मकान को कलेक्टर रेट की ढेड़ गुणा कीमत लेकर कबजाधारी को मालिकाना हक देने की योजना को मंजूरी दी। नायब सैनी ने हरियाणा के उन लोक गायकों की सुध ली, जो हरियाणवी संस्कृति के ध्वजवाहक हैं और बुढ़ापे के कारण अब अपनी कला का अभयास नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे कलाकारों के लिए दस हजार रुपये मासिक मानदेय देने की योजना को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने ग्रुप सी व ग्रुप डी के सरकारी नियमित कर्मचारियों के लिए प्रतिपूरक अवकाश प्रदान करने के लिए हरियाणा सिविल सेवा अवकाश नियम 2016 में संशोधन कर कर्मचारियों को तोहफा प्रदान किया। इसके साथ-साथ उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के सेवा नियम में संशोधन कर किसी कर्मचारी की दुभागयपूर्व मृत्यु की स्थिति में दो साल तक उस परिवार को आवास भत्ता देने व सामान्य लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर दो वर्ष की अवधि के लिए सरकारी आवास को बरकरार रखने की नीति को भी मंजूरी दी।

दूरदर्शी सोच के धनी मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा में भविष्य विभाग का गठन किया गया है। चुनाव में किए गए सबसे बड़े वायदे को पूरा करते हुए 25 सितंबर को लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत कर हरियाणा में पात्र महिलाओं को 2100 रुपये की राशि देने की ऐतिहासिक शुरूआत की।

सीएम ने हरियाणा में तो राहत एवं बचाव के काम किए ही, साथ में बाढ़ के दौरान पूरे हरियाणा से उनकी अगुवाई में पंजाब में बाढ़ के दौरान मदद भेजी गई। हांसी को नया जिला बनाकर इस क्षेत्र के विकास के लिए अलग से रास्ता खोला है। साथ ही कई अन्य जिलों के लिए भी अभी कमेटी द्वारा काम किया जा रहा है।

ऐसे कार्य, जो आम जन मानस से जुड़े हैं- धान, गेहूं खरीद, बाढ़ राहत, खाद वितरण हो, हलकों का दौरा कर करोड़ों की सौगात देने की बात हो, संत महापुरुष विचार प्रचार-प्रसार योजना के तहत विभिन्न महापुरुषों की राज्यस्तरीय जयंतियों हों, कोहरे के मौसम में सडक़ों पर सफेद पट्टिया लगवाने जैसे बारीक कार्यों की निगरानी हो, संविधान दिवस पर साल भर कार्यक्रमों की बात हो, हरियाणा रोडवेज में 650 नई बसें शामिल करने की बात हो, गुरु गोबिंद सिंह के 358वें प्रकाशोत्सव के तहत कार्यक्रमों के आयोजन की बात हो, रेलवे के विकास की बात हो, नेशनल हाइवे के विकास की बात हो, व्यापारियों के हितों की बात हो, केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने की निगरानी व तीन नए अपराधिक कानूनों को लागू करने की बात हो, बाढ़ को लेकर दिल्ली में आप सरकार के आरोपों पर मुकाबला करने की बात हो, हरियाणा के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज या अन्य विकास परियोजनाओं के काम को पूरा करने की बात हो, बजट से पहले विभिन्न वर्गों के लोगों की सलाह लेने की नई मुहीम हो, हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या, जक्वमू, दिल्ली व अहमदाबाद के लिए हवाई सेवाएं शुरू करने की योजना हो, युवाओं को नशामुकति के लिए जिला अनुसार मैराथन का आयोजन करवाकर उसमें स्वयं भाग लेने की बात हो, समय-समय पर अपने आवास पर विभिन्न वर्गों, संगठनों व संस्थाओं के लोगों के साथ बैठक की बात हो, केंद्र सरकार की योजनाओं को लागू करने में सबसे पहले आगे आकर फैसला लेने की बात हो, विद्यालय परीक्षाओं में टॉपर बच्चों से फोन पर स्वयं बात कर हौंसला बढ़ाने की बात हो, आंगनबाड़ी वर्कर्स पर दर्ज मुकदमें वापस लेने की बात हो, लगभग 13 लाख सीईटी अभ्यर्थियों के लिए ऐतिहासिक स्तर पर की गई व्यवस्था से युवाओं के दिल में मुक्चयमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा बनाई गई विशेष जगह की बात हो, छोटे दुकानदाराओं के लिए वन टाइम कर सेटलमेंट योजना, मिलर्स के लिए चावल भुगतान मार्च की बजाए जून किए जाने की बात हो या फिर फसल खरीद को समय से पहले खरीदने की बात हो, कर्मचारियों को गुड गवर्नेंस अवार्ड दिए जाने की बात हो आम जनमानस से जुड़ा कोई भी मामला हो, नायब सिंह सैनी खुद पहल करके उसका समाधान करवाते हैं।

भाजपा आलाकमान के फैसले को सटीक साबित कर रहे हैं नायब सिंह सैनी - न केवल दिल्ली बल्कि महाराष्ट्र, बिहार चुनाव में नायब सिंह सैनी ने जहां भी प्रचार किया, वहां पार्टी विजयी हुई। अब पंजाब में उनकी सक्रियता से भाजपा को काफी कुछ उक्वमीदें हैं। हरियाणा में आम जन मानस के बीच में रहकर केंद्र व प्रदेश की सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारकर वे सेवा का प्रयास कर रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर लगाई गई जा रही आला कमान द्वारा जिक्वमेदारियों का निर्वहन कर नायब सिंह सैनी ओबीसी चेहरे को हरियाणा का सीएम बनाने के भाजपा के फैसले को सही साबित करते नजर आ रहे हैं। उन्हें आज उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

लुधियाना की सूरत बदलने के लिए विश्वस्तरीय स्ट्रीट प्रोजेक्ट: संजीव अरोड़ा

● लुधियाना की 15 किलोमीटर सड़कों का 'कम्प्लीट स्ट्रीट मॉडल' के तहत पुनर्विकास किया जाएगा : संजीव अरोड़ा ● भगवंत मान सरकार ने लुधियाना के लिए 162 करोड़ रुपये का विश्वस्तरीय स्ट्रीट प्रोजेक्ट किया लॉन्च : संजीव अरोड़ा

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के स्थानीय निकाय संबंधी मंत्री संजीव अरोड़ा ने शनिवार को भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार के एक अहम विश्वस्तरीय स्ट्रीट प्रोजेक्ट की शुरुआत की घोषणा की, जिसका उद्देश्य लुधियाना शहर को सुरक्षित, समावेशी, टिकाऊ और स्मार्ट मोबिलिटी के मॉडल में परिवर्तित करना है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोगों के लिए सुंदर और आधुनिक गलियों वाले शहर के सपने को साकार करने की दिशा में एक बुनियादी प्रयास है।प्रोजेक्ट का विवरण साझा करते हुए स्थानीय विकास मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि शहर के 10 प्रमुख शहरी कॉरिडोरों में 15 किलोमीटर सड़कों का 'कम्प्लीट स्ट्रीट' दृष्टिकोण के तहत व्यापक पुनर्विकास किया जाएगा। इसमें वाहनों की आवाजाही के साथ-साथ पैदल यात्रियों, साइकिल सवारों, सार्वजनिक परिवहन उपयोगकर्ताओं और रेहड़ी-फड़ी विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री ने कहा, 'इसका उद्देश्य सड़कों को व्यवस्थित और सुव्यवस्थित तरीके से लोगों के लिए उपलब्ध कराना है। ये सड़कें अब केवल ट्रैफिक कॉरिडोर नहीं रहेंगी, बल्कि सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण-अनुकूल जीवंत सार्वजनिक स्थान बनेंगी। '

इस प्रोजेक्ट की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि इसमें 15 किलोमीटर विश्वस्तरीय सड़कों, 5.3 किलोमीटर समर्पित एवं सुलभ फुटपाथों तथा 15.7 किलोमीटर चिन्हित साइकिल लेन और समर्पित साइकिल ट्रैक का विकास शामिल है। इसके अलावा 40 रेन एवं सन शेल्टर, 10 सार्वजनिक शौचालय, 36 वाटर एटीएम स्थापित किए जाएंगे तथा आजीविका के लिए 250 वेंडिंग जोन विकसित किए जाएंगे। प्रोजेक्ट की संभावनाओं पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। इसके विपरीत, 3,633 से अधिक नए पौधे लगाए जाएंगे तथा हरित वातावरण के सृजन के लिए 54 रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट बनाए जाएंगे। इसके साथ ही तूफान या वर्षा जल निकासी के लिए नई ड्रेनेज प्रणाली, एलईडी स्ट्रीट लाइटें, लैंडस्केपिंग और जंक्शन सुधार भी किए जाएंगे।

मंत्री ने बताया कि 162 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पंजाब इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड द्वारा पायलट किया जा रहा है। इसकी टेंडरिंग प्रक्रिया वर्तमान में जारी है और इसे अगस्त के अंत तक लागू करने की योजना है। उन्होंने कहा, 'प्रोजेक्ट में निर्बाध और सुव्यवस्थित डिज़ाइन तत्व शामिल होंगे, जैसे कर्ब रैंप, टैक्टाइल पाथवे, ज़ेब्रा क्रॉसिंग और टेबल-टॉप क्रॉसिंग, ताकि सभी के लिए सुगम्यता सुनिश्चित की जा सके। ' कार्यान्वयन मॉडल की व्याख्या करते हुए संजीव अरोड़ा ने बताया कि यह परियोजना हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल के तहत लागू की जाएगी, जिससे उच्च गुणवत्ता वाली निर्माण प्रक्रिया और दीर्घकालीन रख-रखाव सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा, 'रियायतधारक रख-रखाव चरण के दौरान मेंटेनेंस के लिए जिम्मेदार होगा, जिसकी वार्षिक संचालन एवं रख-रखाव लागत निर्माण लागत का लगभग 2.5 प्रतिशत अनुमानित है। '

व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा कि यह परियोजना हरित बुनियादी ढांचे के माध्यम से स्थिरता को एकीकृत करती है, गैर-मोटराइज्ड परिवहन को प्रोत्साहित करती है और बेहतर साइनएज, स्ट्रीट फर्नीचर, समर्पित पार्किंग, साइकिल स्टैंड, पुलिस बूथ तथा शहर के गेटवे के जरिए सड़क सुरक्षा को मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा कि शेरपुर चौक से जगराओं पुल, मॉडल टाउन रोड तथा गिल नहर पुल से गिल गांव जैसे विशेष कॉरिडोरों को विशिष्ट डिज़ाइन थीम के साथ पुनर्विकसित किया जाएगा।

स्पीकर ने वाराणसी में धार्मिक स्थलों के दर्शन किए

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने उत्तर प्रदेश के पावन नगर वाराणसी पहुंचकर विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन किए और बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर में मत्था टेका। यह मंदिर पवित्र गंगा नदी के तट पर स्थित है, जो न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि हमारी समृद्ध विरासत और आधुनिकता का एक उत्कृष्ट संगम भी है। उन्होंने वाराणसी (उ.प्र.) स्थित गुरु का बाग गुरुद्वारा साहिब में भी नतमस्तक होकर मत्था टेका। यह स्थल साहिब श्री गुरु नानक देव जी के चरणों की छाया से पावन है। स्पीकर ने समस्त पंजाबवासियों की भलाई के लिए भी अरदास की।

स संधवां ने वाराणसी की पवित्र भूमि के बारे में कहा कि यहां पहुंचकर उन्हें अपार शांति और सुकून की अनुभूति हुई। यह वही ऐतिहासिक स्थान है, जहां साहिब श्री गुरु नानक देव जी अपनी पहली उदासी के दौरान पधारे थे और पंडित चतुर दास के साथ विचार-विमर्श करते हुए 'ओंकार' बाणी के माध्यम से सत्य का मार्ग दिखाया था। इस दौरान स्पीकर संधवां ने 'बेगमपुरा' की अवधारणा देने वाले

शिरोमणि भक्त गुरु रविदास जी के पवित्र जन्म स्थल, सीर गोवर्धनपुर में भी मत्था टेका। 'बेगमपुरा' से भक्त रविदास जी का आशय उस स्थान से था, जहां कोई ग़म या दुख न हो, कोई भेदभाव और कोई अन्याय न हो। उन्होंने कहा कि आइए हम गुरु रविदास जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का प्रयास करें और जाति-पाति के बंधनों से ऊपर उठकर भाईचारे की भावना को मजबूत करें।

महिंद्रा समूह पंजाब में निवेश के माध्यम से अपने व्यावसायिक आधार को लगातार मजबूत कर रहा है : संजीव अरोड़ा

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कैबिनेट मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि महिंद्रा एंड महिंद्रा भारत के अग्रणी बहुराष्ट्रीय समूहों में से एक है, जिसने ऑटोमोटिव, कृषि उपकरण, वित्तीय सेवाओं, निर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित की है। इस समूह को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी औद्योगिक प्लेटफॉर्म विकसित करने का व्यापक अनुभव और प्रतिष्ठा प्राप्त है तथा यह भारत के सबसे बड़े मोबिलिटी सॉल्यूशन निर्माताओं में से एक है, जिसका संचालन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में फैला हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने जापान आधारित सुमितोमो कॉरपोरेशन और इसुजु मोटर्स से शेयरों की खरीद के माध्यम से लगभग 555 करोड़ रुपये में एसएमएल इसुजु लिमिटेड में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। अगस्त 2025 में लेन-देन पूर्ण होने के बाद कंपनी के बोर्ड का पुनर्गठन किया गया और फर्म का नाम एसएमएल महिंद्रा लिमिटेड रखा जा रहा है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एसएमएल महिंद्रा लिमिटेड भारत में लाइट

और मीडियम कमर्शियल व्हीकल्स (एल सी वी /एम सी वी) का एक अग्रणी निर्माता है, जिसकी लॉजिस्टिक्स, यात्री परिवहन और संस्थागत मोबिलिटी सेगमेंट की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले ट्रकों, बसों और विशेष-उद्देश्य वाहनों के निर्माण में मजबूत स्थिति है। कंपनी पहले ही शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर), पंजाब स्थित अपनी विनिर्माण इकाई में लगभग 500 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश कर चुकी है। यह यूनिट एक पूर्णतः एकीकृत ऑटोमोबाइल निर्माण परिसर है, जिसमें वाहन असेंबली लाइनें, बॉडी शॉप, पेंट शॉप, प्रेस और मशीन शॉप, एफआरपी शॉप तथा एक समर्पित बस बॉडी प्लांट शामिल हैं।

पंजाब में विस्तार योजनाओं के संबंध में एसएमएल महिंद्रा लिमिटेड के कार्यकारी चेयरमैन श्री विनोद सहाय के हवाले से बताया गया कि कंपनी ने पंजाब में अपने संचालन के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण रोडमैप तैयार किया है। इसमें मौजूदा विनिर्माण सुविधा के आधुनिकीकरण और उन्नयन हेतु 100 करोड़ रुपये का निवेश तथा किसी अन्य राज्य से पंजाब में एक विनिर्माण इकाई स्थानांतरित कर 400 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश को शामिल किया गया है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री संजीव अरोड़ा ने कहा कि पंजाब देश के सर्वश्रेष्ठ निवेश गंतव्यों में से एक के रूप में उभर रहा है। उन्होंने पंजाब की विकास यात्रा पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संयोजक श्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के गतिशील नेतृत्व में राज्य तेजी से देश में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा स्थान बन रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब का निवेशक-अनुकूल शासन, पारदर्शी नीतियां, समयबद्ध स्वीकृतियां, सुदृढ़ औद्योगिक आधारभूत ढांचा और कुशल कार्यबल प्रमुख औद्योगिक घरानों में नया विश्वास पैदा कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ने गर्व के साथ यह भी कहा कि महिंद्रा समूह के चेयरमैन श्री आनंद महिंद्रा की जड़ें लुधियाना, पंजाब से गहराई से जुड़ी हुई हैं, जो देश के सबसे प्रतिष्ठित औद्योगिक परिवारों में से एक महिंद्रा समूह और राज्य के बीच गहरे ऐतिहासिक एवं उद्यमशील संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह पुराना रिश्ता नवाचार, उद्यमिता और औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ पंजाब के संबंधों को और सुदृढ़ करता है।

संपादकीय

वोटर लिस्ट सुधार या भरोसे की परीक्षा?

निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के संदर्भ में एक सबसे अहम अपेक्षा यह रही है कि इसे पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए। कई तरह के विवादों के बीच विपक्षी दलों की ओर से उठाई गई एक प्रमुख मांग भी यही है। इस मसले पर निर्वाचन आयोग की यही दलील रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य अपात्र लोगों को बाहर करना है। इसमें स्थान बदलने वाले लोगों से लेकर वैसे लोग भी शामिल होंगे, जिनकी मौत हो चुकी है।इस घोषित मकसद से किसी को आपत्ति नहीं होगी, लेकिन अलग-अलग राज्यों में मतदाता सूची से जितनी बड़ी तादाद में लोगों के नाम बाहर होने की खबरें आई हैं, उसे लेकर कई सवाल उठे हैं। इसकी जड़ में मुख्य कारण इस समूची प्रक्रिया में अपेक्षित पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं किया जाना हो सकता है और इसीलिए आम नागरिकों के बीच तमाम आशंकाएं उभरीं। अगर एसआइआर की प्रक्रिया को शुरू से आखिर तक पूरी तरह पारदर्शी बनाने की व्यवस्था की जाती, तो संभवतः अनावश्यक विवाद नहीं खड़े होते।अब सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि इस समूची कवायद में तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखे गए मतदाताओं का सत्यापन पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हो और इससे लोगों को अनावश्यक तनाव तथा असुविधा न हो। गौरतलब है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान ऐसी तमाम शिकायतें सामने आईं कि मनमाने तरीके से नागरिकों के नाम बाहर किए गए। कई जगहों पर लोगों को समय पर इसकी जानकारी भी नहीं हुई और उनका नाम मतदाता सूची से हट गया। जाहिर है, निर्वाचन आयोग की ओर से यह प्रक्रिया जिस स्तर पर चलाई गई, उसमें मतदाता सूची से बाहर होने वाले लोगों को सूचित करने और उन्हें अवसर देने को लेकर सवाल उठे। पश्चिम बंगाल में भी चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नाम, उपनाम, आयु में गड़बड़ी आदि की वजह से करीब एक करोड़ पच्चीस लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगति नोटिस जारी किया था। इस संदर्भ में शीर्ष अदालत ने आयोग को निर्देश दिया कि वह किसी भी तरह की गड़बड़ी वाली मतदाता सूची को ग्राम पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक तौर पर लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके।सवाल है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को पूरी तरह पारदर्शी बनाने का जो काम निर्वाचन आयोग को अपनी प्रक्रिया में प्राथमिक स्तर पर खुद ही अनिवार्य रूप से शामिल करना चाहिए था, उसके बारे में सुप्रीम कोर्ट को निर्देश देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। तार्किक विसंगति के दायरे में आए सभी नामों को सार्वजनिक करने के अलावा मतदाता सूची में नाम होने के लिए जरूरी दस्तावेजों में आधार कार्ड शामिल करने को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था।सच यह है कि बिहार सहित देश के जिन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया संचालित की गई, वहां सबसे अहम सवाल पारदर्शिता को लेकर ही उठे। इससे किसी को भी असहमति नहीं होगी कि चुनाव प्रक्रिया में कोई भी अवैध रूप से हिस्सा न ले और सिर्फ पात्र लोगों को ही मतदान का अधिकार मिले। मगर यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि सभी पात्र लोगों को खुद को सही साबित करने के लिए जरूरी अवसर और सुविधा मिले, ताकि वह मतदान के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न हो।

स्वाधीनता के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपनाया, वह हमारी अपनी नहीं, पश्चिम से आयातित है। दिलचस्प है कि आज यही व्यवस्था दुनियाभर में शासन की बेहतर प्रणाली के रूप में स्वीकार्य है। इसकी बुनियाद में इंग्लैंड की सन् 1215 में हुई मैग्नाकार्टा की संधि है। आज का लोकतंत्र इसी संधि से निकले कानूनों और परंपराओं से विकसित हुआ है। जबकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में भारतीय दिलों की पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है।

दुनिया के लिए प्रेरक बनता भारत का चुनावी तंत्र

(उमेश चतुर्वेदी)

जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है।

स्वाधीनता के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपनाया, वह हमारी अपनी नहीं, पश्चिम से आयातित है। दिलचस्प है कि आज यही व्यवस्था दुनियाभर में शासन की बेहतर प्रणाली के रूप में स्वीकार्य है।इसकी बुनियाद में इंग्लैंड की सन् 1215 में हुई मैग्नाकार्टा की संधि है। आज का लोकतंत्र इसी संधि से निकले कानूनों और परंपराओं से विकसित हुआ है।जबकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में भारतीय दिलों की पारंपरिक लोकतांत्रिक सोच है। दुर्भाग्य से भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली की महत्ता को दुनिया हाल तक स्वीकार करने से हिचकती रही है। ऐसे माहौल में अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक एवं चुनावी सहायता संस्थान की अगुआई भारत को मिलना मामूली बात नहीं है। अंग्रेजी में इस संस्थान को इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेटिक एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस यानी आईडीईए के नाम से जाना जाता है। यह इस बात का प्रतीक है कि भारतीय लोकतंत्र की अहमियत वैश्विक स्तर पर स्वीकार्य हो रही है। वैश्विक लोकतांत्रिक परिदृश्य के लिहाज से भारत को मिली अगुआई ऐतिहासिक है। 1995 में 14 देशों द्वारा स्थापित इस संगठन के सदस्य देशों की संख्या अब 37 हो चुकी है। संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान स्थायी पर्यवेक्षक के तौर पर इस संगठन में शामिल हो चुके हैं। करीब आठ अरब जनसंख्या वाली दुनिया के करीब दो अरब बीस करोड़ पंजीकृत मतदाता इसी संगठन के सदस्य देशों के पास हैं। जिसमें भारत की हिस्सेदारी 99 करोड़ 10 लाख से ज्यादा है। आंकड़ों से साफ है कि सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश भारत है। इस लिहाज से देखें तो भारत की अध्यक्षता उसके लिए औपचारिक दायित्व से कहीं ज्यादा वैचारिक नेतृत्व का अवसर हो सकती है। इस संगठन में सदस्य देशों के चुनाव आयोग या चुनाव कराने वाली संस्थाएं ही शामिल होती हैं, लिहाजा भारतीय चुनाव आयोग इस संस्था का सदस्य है। जाहिर है कि इसी नाते अध्यक्षता भी आयोग के ही पास है।

जिस वक्त घरेलू मोर्चे पर भारतीय चुनाव

प्रणाली और मशीनरी सवालों के घेरे में है, उसी वक्त भारतीय चुनाव आयोग को इस प्रतिष्ठित संस्था की अगुआई मिली है। घरेलू मोर्चे पर विपक्षी दलों की ओर से चुनाव आयोग पर कभी वोट चोरी का आरोप लगाया जाता है तो कभी नकारा बताया जाता है। ऐसे वातावरण में चुनाव आयोग को आईडीईए की अध्यक्षता मिलना सामान्य बात नहीं, बल्कि भारतीय चुनाव प्रणाली की वैश्विक स्वीकृति और प्रतिष्ठा का प्रतीक है। दुनिया अब तक लोकतंत्र को पश्चिमी मॉडल के चश्मे से ही देखती रही है। जबकि इसके मूल में लोकतांत्रिक आत्मा नहीं, बाजार केंद्रित राजनीतिक ढांचा है, जहां व्यक्ति की बजाय संस्थाओं की स्वाधीनता और संसदीय परंपराओं पर जोर है। संचार और सूचना क्रांति एवं आर्थिक बदलावों के चलते आज का मतदाता बेहद जागरूक हो चला है। वह अपनी निजी राय की अहमियत की भी चाहत रखता है। इस वजह से पश्चिमी मॉडल वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर सोच बदली है। भारतीय लोकतंत्र और चुनावी व्यवस्था अगर तनकर खड़ी है, तो उसके पीछे इन वैचारिक बदलावो का बड़ा योगदान है। एक अरब की भारी-भरकम मतदाता संख्या वालेभारतीय चुनावी तंत्र में भागीदारी बढ़ना मामूली बात नहीं है। इसे भारतीय चुनावी तंत्र की लचीली किंतु मजबूत व्यवस्था की सफलता के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

भारतीय चुनावी प्रबंधन में बढ़ते नवाचार, डिजिटल चुनावी प्रबंधन पर जोर, दिव्यांग और दूरस्थ मतदाताओं तक बढ़ती पहुँच, के लिए चुनाव आयोग की सोच ज्यादा जिम्मेदार है। चुनावी साक्षरता बढ़ाने को लेकर चुनाव आयोग ने जितने प्रयोग किए हैं, वैसा उदाहरण कहीं और नहीं दिखता। विपक्षी सवालों के बावजूद चुनावों में अगर मतदाता भागीदारी बढ़ी है, तो माना जा सकता है कि चुनाव आयोग के प्रति भरोसा कम नहीं हुआ है। इस लिहाज से देखें तो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहुंच पुस्तकालयों और विमर्श के संस्थागत मंचों की बजाय बूथ और अंतिम व्यक्ति तक बढ़ी है। इस संदर्भ में चुनाव आयोग की अध्यक्षता में 21 से 23 जनवरी के बीच आईडीईए देशों के चुनाव प्रमुखों और अधिकारियों की होने जा रही बैठक बेहद अहम हो जाती है। माना जा रहा है कि आयोग से दुनियाभर के अधिकारी जानना चाहेंगे कि मतदाताओं की भारी संख्या के बावजूद आयोग उन तक कैसे पहुंचता है और चुनाव प्रणाली की पवित्रता कैसे बरकरार है।

चुनावी पवित्रता की नाभि-नाल पारंपरिक लोकतांत्रिक प्रणाली से जुड़ी है। प्राचीन भारत का बज्जि गणतंत्र आधुनिक प्रणाली से कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक और लोकोन्मुखी था। दक्षिण भारत के दसवीं सदी के चोल शासकों ने ग्रामीण शासन व्यवस्था के लिए जो व्यवस्था अपना रखी थी, उसे आधुनिक राजनीति विज्ञानी भी बेहतरीन प्रणाली मान रहे हैं। मैग्नाकार्टा के कुछ साल पहले कर्नाटक में लिंगायत संप्रदाय के संस्थापक संत बसवेश्वर ने जिस अनुभव मंडपम् की स्थापना की थी, उसमें समाज के हर वर्ग के लोग धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते थे और एक परिणति तक पहुंचते थे। राजनीति शास्त्री इसे आधुनिक संसद का प्रथम स्वरूप मानते हैं। आज हमारी चुनाव प्रणाली मजबूत है तो इसकी एक वजह हमारी यह परंपरा भी है। वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक राष्ट्रों के समक्ष चुनौतियां बढ़ी हैं। जिनके लिए भारत का अनुभव प्रेरक हो सकता है। वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र के लिए ध्रुवीकरण, दुष्प्रचार और साइबर हस्तक्षेप, चुनावी धन में पारदर्शिता की कमी एवं युवाओं की घटती रुचि खतरा बन रही हैं। इसमें जनमत को प्रभावित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस्तेमाल ने कोढ़ में खाज का काम कर रहा है। ऐसे माहौल में भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर चुनावी लिहाज से अपने सफल मॉडल आधारित अनुभव से लोकतांत्रिक राष्ट्रों की चुनाव प्रणाली के लिए प्रेरक हो सकता है। भारत को इन देशों की अगुआई इस बात का भी प्रतीक है कि हमारे लोकतंत्र की ताकत सिर्फ चुनाव में नहीं, बल्कि हर वोट को मिली अहमियत से है। इसी वजह से विविधरंगी समाज, भाषा, धर्म और असमानता के बावजूद भारतीय चुनाव प्रणाली शांतिपूर्ण बनी हुई है। साफ है कि विशाल और बहुलवादी समाज भारतीय लोकतंत्र की बाधा नहीं, ताकत है। पश्चिमी और ग्लोबल साउथ देशों की लोकतांत्रिक प्रवृत्तियों के मद्देनजर भारतीय चुनाव प्रबंधन कहीं ज्यादा उपलब्धि भरा है। अमेरिका और यूरोप में जहां मतदाता भागीदारी लगातार कम हो रही है, वहीं अविश्वास और आपसी सामाजिक टकराव जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। इसके बरक्स विविधता के बावजूद हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था समस्या समाधान का शांतिपूर्ण हथियार बनी हुई है। इसमें महिलाओं, दिव्यांगजनों और युवा मतदाताओं के साथ बढ़ी मतदाता भागीदारी ने लोकतांत्रिक जड़ों को गहरा ही किया है। आमजन की राजनीतिक व्यवस्था के प्रति जारी विश्वास भी इसी का प्रतीक है। आज मौका मिलते ही सरकारें बदलने और दूसरी पार्टी को मौका मिलती है तो इसकी वजह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को लेकर बढ़ती जागरूकता और उसके प्रति अटूट भरोसा है। विविधरंगी, अलग सामाजिक पहचान, जाति, धर्म और भाषा, क्षेत्रीय भिन्नताएं अलग होने के बावजूद अगर भारत में पश्चिम की तरह टकराव नहीं है तो उसकी वजह लोकतांत्रिक और चुनाव प्रक्रिया में अटूट भरोसा ही है। साफ है कि विविध सामाजिक पहचान के साथ सामुदायिक संतुलन और सहअस्तित्व भारतीय लोकतंत्र की स्थिरता की गारंटी बना हुआ है। इसके पीछे चुनाव आयोग की सोच भी है। आज चुनावी नवाचार में भारत अगुआ है। ईवीएम, वीवीपैट, महिलाओं एवं दिव्यांग संचालित एवं थीम आधारित मतदान केंद्र, पोस्टल बैलेट, सूचना एवं प्रोद्योगिकी आधारित मतदाता सेवाएँ और स्वीप जैसी जागरूकता पहल तेज़ी और व्यापक तरीके से लागू की जा रही हैं। इनके चलते भारत में लोकतंत्र का भविष्य पश्चिमी देशों की तुलना में अधिक विस्तारित, स्थायीत्व और जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। इसकी वजह से वैश्विक विमर्श में भारतीय चुनाव मॉडल प्रेरक बन चुका है। दुनिया में लोकतंत्र की दिशा तय करने वाले केंद्र बहुध्रुवीय होते गए हैं। लोकतंत्र का भविष्य उन्हीं देशों में सुरक्षित है, जो विपरीत हालात में भी नागरिक भागीदारी और विश्वास बनाए रखने में सफल हैं। पश्चिमी देशों के साथ भारत, इंडोनेशिया, ब्राज़ील, मेक्सिको, दक्षिण अफ़्रीका और मॉरीशस जैसे देशों में यह प्रवृत्ति तेजी से विकसित हुई है। ऐसे में भारत की सफलता तभी मानी जाएगी, जब उसकी अगुआई में आईडीईए सिर्फ विमर्श का मंच न रहकर, दुनिया में लोकतंत्र को अधिक सहभागी, अधिक समावेशी, अधिक तकनीक-सक्षम और अधिक मानवीय बनाने का मोर्चा बन सके।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

अमेरिका से दूर होते यूरोप में भारत के लिए अवसर

(नितिन पाई)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि अमेरिका के बिना नाटो कुछ भी नहीं। ग्रीनलैंड की अपनी लालसा के संदर्भ में उन्होंने यह टिप्पणी की थी। इससे नाटो में टूट की आशंका बढ़ गई है, जिसका हिस्सा खुद अमेरिका भी है। हालांकि, डेनमार्क के संजीदा लोग यही मानते हैं कि अमेरिका आसानी से कब्जा कर सकता है। शेन हैरिस और उनके साथियों ने द अटलांटिक में लिखा है कि यह नियंत्रण राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर बस इस एक एलान के साथ हो सकता है कि यह इलाका अब अमेरिका का हिस्सा है। इसका विरोध न तो डेनमार्क करेगा और न ही कोई अन्य नाटो सदस्य, क्योंकि वाशिंगटन से टकराने की कुव्वत उनमें नहीं है।

बीते एक साल में, यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों ने रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। खुद को फिर से हथियार-संपन्न बनाने के लिए उन्होंने अपने रक्षा व्यय को आगामी वर्षों में जीडीपी का 3.5 फीसदी करने (फिलहाल यह दो फीसदी है) और साल 2035 तक पांच प्रतिशत तक ले जाने की योजना बनाई है। इसके लिए जरूरी कानूनी रास्ता साफ कर दिया गया है, ताकि राजकोषीय घाटा बढ़ाया जा सके। जाहिर है, आने वाले साल यूरोपीय समाज के लिए मुश्किल भरे हो सकते हैं,

इस पूरे मामले ने यूरोपीय देशों के फिर से हथियार-संपन्न होने की जरूरत पर नई बहस खड़ी कर दी है। यूरोपीय देशों की चिंता वाशिंगटन की नई राष्ट्रीय सुरक्षा नीति (एनएसएस) ने भी बढ़ा दी है, जिससे न सिर्फ यूरोप की सुरक्षा की 80 वर्ष पुरानी प्रतिबद्धता से अमेरिका के पलटने के संकेत मिलते हैं, बल्कि इसमें दक्षिणपंथी पार्टियों को समर्थन देकर यूरोप में राजनीतिक दखल देने की उसकी इच्छा भी दिखती है। बीते एक साल में, यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों ने रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। खुद को फिर से हथियार-संपन्न बनाने के लिए उन्होंने अपने रक्षा व्यय को आगामी वर्षों में जीडीपी का 3.5 फीसदी करने (फिलहाल यह दो फीसदी है) और साल 2035 तक पांच प्रतिशत तक ले जाने की योजना बनाई है। इसके लिए जरूरी कानूनी रास्ता साफ कर दिया गया है, ताकि राजकोषीय घाटा बढ़ाया जा सके। जाहिर है, आने वाले साल यूरोपीय समाज के लिए मुश्किल भरे हो सकते हैं, क्योंकि सेना पर खर्च बढ़ाने के लिए लोक-कल्याणकारी और पर्यावरण

संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों में आर्थिक कटौती करनी पड़ सकती है।

उनकी चुनौती सिर्फ यही नहीं है। सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए नौजवानों को मनाना उनके लिए कहीं ज्यादा कठिन काम होगा। खुशहाल समाज में पले-बढ़े युवाओं को सैन्य करियर चुनने के लिए प्रेरित करना यूरोपीय राजनेताओं की परीक्षा लेगा। फिर, उन बलों को भरोसेमंद लड़ने वाली ताकत बनाना भी कम चुनौतीपूर्ण काम नहीं होगा। नाटो एक ढांचा तो मुहैया कराता है, लेकिन अमेरिका के बिना यह व्यवस्था सूनी पड़ जाएगी, जिसमें नया प्राण फूंकना आसान नहीं है। यूरोपीय सैन्य गठबंधन, भले ही उसमें ब्रिटेन और तुर्किये भी शामिल हो जाएं, सिर्फ अमेरिका-विहीन नाटो नहीं होगा, बल्कि वह पूरी तरह से एक नया गठजोड़ होगा, जिसमें अलग राजनीति, कमांड ढांचा, खतरे की समझ और नागरिक-सैन्य संबंध होंगे। इस पूरी कवायद को यूरोप की राजनीति प्रभावित कर सकती है, क्योंकि यदि जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और पोलैंड में वाशिंगटन के प्रति आकर्षण रखने वाली दक्षिणपंथी पार्टियों को जीत मिलती है, तो ये देश अमेरिका के साथ तालमेल बनाकर आगे बढ़ सकते हैं। अगर ऐसा नहीं होता है, तभी यूरोप एक अलग रास्ता अपना सकेगा।

फिलहाल यह बात तो तय है कि यूक्रेन युद्ध, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा नीति और ग्रीनलैंड विवाद जैसे बाहरी दबाव फिर से हथियार संपन्न बनने की यूरोप की कोशिश को रफ्तार देंगे। यहां रूस का व्यवहार निर्णायक होगा। एक आक्रामक रूस सबका ध्यान खींचेगा और ऐसे फैसलों को तीव्रता देगा, जिनको शायद टाला जा सकता था। यूरोप की कूटनीति भी इसी हिसाब से तय होगी। यहां ग्रेट ब्रिटेन भी अहम हो सकता है, बशर्ते वह अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ते मतभेदों के कारण टूटने से बच सके।

भारत के लिए इस नई परिस्थिति में मौके के दरवाजे खुल रहे हैं। एक ऐसा यूरोप, जो वाशिंगटन पर कम निर्भर हो, अपनी सुरक्षा पर कहीं ज्यादा ध्यान देगा और वह अलग-अलग साझेदार भी ढूंढ़ेगा। एक रक्षा साझेदार के रूप में भारत बड़े पैमाने पर रक्षा उपकरणों का उत्पादन करके यूरोप को अपनी लागत कम करने में मदद कर सकता है। हालांकि, भारत की रूस से दोस्ती और यूरोप-चीन के रिश्ते ही ये तय करेंगे कि दोनों देश (भारत व चीन) कितना कर सकते हैं और कितनी तेजी से। (लेखक निदेशक-तक्षशिला संस्थान हैं) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5984

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
10			■	11		■	
■		■	12				■
13		14		■		■	15
	■	16		■	17	18	
19	20	■	■	■	21		■
22				■	23		

संकेतः बाएं से दाएं

1. मुगल सम्राट जहांगीर की पत्नी का जन्मदिन 31 मई 1577 है जिनका मूल नाम मेहरून्निसा था (4)
5. पुराणानुसार अयोध्या नगरी को यह भी कहते थे, यह मिथिली शरणगुप्त रचित महाकाव्य है जिसका प्रथम प्रकशान 1931 में हुआ था (3)
8. उपद्रव, उत्पात, हलचल (4)
9. बालचद्र, नवचंद, नया चांद (4)
10. नमस्कार, प्रणाम (3)
11. स्वर, देवताओं की स्थिति या अवस्था, देवगति, आवाज (2)
12. पंजाब की पांच नदियों में से एक जिस पर भाखड़ा नांगल बांध बंधे है (4)
13. घपला, ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में अमोल पालेकर, बिंदिया गोस्वामी, उत्पल दत्त की एक स्वस्थ हास्य फिल्म (4)
16. क्षमा किया हुआ (2)
17. यज्ञ करने या कराने वाला (3)
19. गर्व, घमंड, फख्र (2)
21. आर्द्रता, गीलापन (2)
22. वे प्राणी जो पृथ्वी पर विचरित होते हो
23. बहादुरी, पराक्रमी (3)

ऊपर से नीचे

1. नया (3)
2. दयालु, कृपालु (3)
3. ग्रीष्म अनुभूति, झुलस, चरपरापन (3)
4. खदेड़, खेदा, हंकरावा, पशुपालक (2)
5. पुरानी फिल्मों के गीतकार (8)
6. भगवान के भोग के निमित्त जाने वाले फलों में प्रमुख फल, कदली (2)
7. इच्छा, मांगना, ख्वाहिश (3)
11. पुत्र, बेटा (2)
12. पूर्वज, बहुत पुराने लोग (3)
13. गोपियों के स्वामी होने के कारण भगवान श्रीकृष्ण का एक नाम यह भी है (4)
14. माता का भाई, मातुल (2)
15. टेढ़ापन, वक्रता (2)
18. अंतरात्मा, अंतकरण, कानशंस (3)
20. वारि, आब, पंचतत्वों में से एक (2)

वर्ग पहेली 5983 का हल

गो	वा	■	■	बां	ग्ला	दे	श
व	र	ना	■	सु	■	हा	ल
र्ध	■	म	दा	री	■	त	ज
न	मा	ज	■	■	अ	■	म
■	म	द	र	इं	डि	या	■
बा	ला	■	ब्रा	■	ग	या	ना
ब	■	सी	क	र	■	व	ह
र	■	ना	र	■	का	र	क

जन्म के साथ पेंशन योजना से सुरक्षित होगा बुढ़ापा

(जी.एन. बाजपेयी)

लोगों की सेहत दुरुस्त रखने के लिए स्वास्थ्य देखभाल, पोषणयुक्त भोजन और जीवन-स्तर में सुधार हो रहा है और इससे बड़ा बदलाव भी आ रहा है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा, घटती जन्म दर और बड़ी होती बुजुर्ग आबादी के माहौल में बुजुर्गों के लिए सन् 1999 में लागू की गई 'सामाजिक सुरक्षा और आय (ओल्ड एज सोशल ऐंड इनकम सिक्योरिटी या ओएसिस)' योजना जरूरी हो जाती है। भारत में 60 और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की आबादी 2023 में लगभग 15 करोड़ थी। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023' में अनुमान लगाया गया है कि यह आबादी 2050 तक 35 करोड़ (आबादी का 25 प्रतिशत) हो जाएगी। इसी तरह, युवा लोगों पर निर्भर रहने का अनुपात 2020 के 16 से बढ़कर 2050 तक 34 प्रतिशत हो जाएगा।

बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार की ओर से पिछले दो दशकों में कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं। इनमें सरकारी कर्मचारियों के लिए बिना फंड वाली निश्चित-लाभ पेंशन योजनाओं को निश्चित-योगदान योजनाओं में बदला गया है और आम नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) शुरू की गई है। हालांकि, एनपीएस के दायरे में आने वाले लोगों में वित्तीय समझ की कमी के कारण इस योजना में मामूली प्रगति हो पाई है। इसमें आर्थिक सुरक्षा की हीला-हवाली को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता है, इसलिए इस नीति में बदलाव जरूरी हो गया है।

असल में, बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए एक ऐसी नीति बननी चाहिए, जो उनकी सामाजिक सुरक्षा और आय, दोनों सुनिश्चित करे। इसके लिए सेवानिवृत्ति या साठ साल के बाद पेंशन योजना लागू करने के बजाय जन्म से ही इस पर ध्यान देना चाहिए। बच्चों के लिए हाल ही में शुरू की गई 'एनपीएस-वात्सल्य योजना' इसी तरह की एक पहल है। इस योजना में 1,000 रुपये वार्षिक योगदान देने वाले 18 साल से कम उम्र के बच्चे को शामिल किया जाता है।एक सुझाव यह है कि देश के हरेक बच्चे को जन्म के समय ही 'परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर (प्रान)' दिया जाए और केंद्र सरकार की तरफ से 1,000 रुपये के शुरुआती योगदान के साथ प्रान-डान कार्ड (डान का मतलब डिफेंडिंग अ न्यूबोर्न या नवजात की सुरक्षा) जारी किया जाए। अगर, 2026 से इस योजना को लागू किया जाता है, तो इसमें शामिल होने वाले बच्चे 2047 में 21 साल के होंगे। तब तक उनके प्रान खाते में इतनी रकम जमा हो जाएगी कि वे आर्थिक रूप से निश्चिंत हो सकेंगे। हिसाब लगाकर देखें, तो इस योजना में 25 साल की उम्र तक सालाना 1,200 रुपये, 26-30 साल की उम्र तक 1.2 लाख रुपये, 31-40 साल की उम्र तक 1.8 लाख रुपये, 41-50 साल की उम्र तक 2.4 लाख रुपये और 51-60 साल की उम्र तक सालाना 3 लाख रुपये जमा करने होंगे। इन्हें नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से गणना की जाए, तो 60 साल की उम्र तक यह रकम 4.2 करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगी। यह दर एनपीएस फंड पर मौजूदा रिटर्न रेट के लगभग बराबर है।इससे हर महीने 2.1 लाख रुपये से ज्यादा (छह प्रतिशत दर) की पेंशन मिल सकती है और मूलधन भी सुरक्षित रहेगा। दूसरी ओर, बिना कोष वाली पेंशन पा रही ज्यादातर बुजुर्ग आबादी 2047 तक गुजर चुकी होगी। तब, भारत बड़े पैमाने पर ओएसिस योजना को लागू करने की स्थिति में आ जाएगा। दानदाताओं को ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को हरेक बच्चे पर सालाना 1,000 रुपये निवेश की जरूरत है। पूरी रकम को 60 साल तक लॉक करने से भारत को लंबे समय तक चलने वाली परियोजनाओं में भी मदद मिलेगी। दशकों में जमा हुआ पेंशन फंड का यह बड़ा पूल (एनपीएस में 150 अरब रुपये से ज्यादा) आर्थिक विकास में मदद करेगा। अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां बड़ी आबादी को पेंशन दी जा रही है, वहां बुजुर्गों में गरीबी दर बहुत कम है।

कहा भी गया है कि आप खाई को पार करने के लिए दो बार छलांग नहीं लगा सकते। इसलिए देश की पेंशन की खाई को पार करने के लिए एक ही लंबी नीतिगत छलांग लगाने का समय आ गया है। (लेखक पूर्व अध्यक्ष, सेबी है) (साथ में प्रवीण तिवारी)

आज का राशिफल

मेष

आज कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला आपको सीखनी पड़ेगी। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशाजनक समाचार मिल सकता है। सायंकाल के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। रात्रि का समय प्रियजनों से भेंट व आमोद-प्रमोद में बीतेगा।

वृष

आज दिन संतोष और शांति का है। राजनीतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठ में वृद्धि होगी। रात्रि में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

मिथुन

आज व्यग्रता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। सायंकाल में कोई रुका कार्य पूरा होगा। रात्रि में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

कर्क

आज उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। सायंकाल से लेकर रात्रि तक प्रिय व्यक्तियों का दर्शन व सुसमाचार मिलेगा।

सिंह

आज आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगा। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और नेत्र विकार होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे। इसीलिए सावधानीपूर्वक कार्य को अंजाम दे।

कन्या

आज सुख की वृद्धि कर रहा हैं रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में अकल्पनीय सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमों में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है। शुभ खर्चा व कीर्ति की वृद्धि होगी।

तुला

आज आपके चारों ओर सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। प्रणय सम्बन्ध प्रगाढ़ता की ओर बढ़ेंगे।

वृश्चिक

आज पुराने रोग ऋण से छुटकारा दिलाएगा। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी रोजगार में सफलता मिलेगी। यात्रा करते समय सावधानी बरते और अपने समान की हिफाजत करे चोरी हो सकती है।

धनु

आज बीमारी से दो चार हो पड़ सकता है। फलस्वरूप कुछ आन्तरिक विकार जैसे-वायु-मूत्र-रक्त, जड़ जमा रहे हैं। आज का दिन इस सबकी जांच करने और किसी अच्छे डॉक्टर से इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

मकर

आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में आपको सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास फलीभूत होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। सायंकाल के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात्रि में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बना रहेगा। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

कुंभ

आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि अभी मार्गी चल रहा है। निर्मूल विवाद अकारण शत्रुपत्ति, अपनी बुद्धि द्वारा किए कार्यों में ही हानि और निराशता कारक है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें और झगड़े/विवाद से बचें।

मीन

आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता तथा उनके कामों में व्यतीत होगा। दाम्पत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। बहनोई और साले से आज लेन-देन न करें सम्बन्ध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्चा हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें। बृहस्पति का त्रिकोण योग मूल्यवान वस्तुएं चोरी करा सकता है।

भारतीय व्यवसायों को वैश्विक मंच देगा जोहो; एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च, कई फीचर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। जोहो ने भारतीय व्यवसायों को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को कुंभकोणम से जोहो एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। जोहो के सह-संस्थापक व चीफ साइंटिस्ट डॉ. श्रीधर वेम्बु ने कहा, ईआरपी प्लेटफॉर्म में ऐसे फीचर्स को शामिल किया गया है जो मौजूदा पारंपरिक प्लेटफार्म में नहीं है। जहां पहले से उपलब्ध अन्य प्लेटफार्म में एआई को एक अतिरिक्त लेयर के रूप में जोड़ा जाता है, वहीं जोहो ईआरपी के पूरे प्लेटफार्म में पहले से इसे समाहित किया गया है। मेड इन इंडिया, एआई नेटिव जोहो ईआरपी भारतीय व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर विकास करने में सक्षम बनाएगा।

वेम्बु ने कहा, जोहो ईआरपी भारतीय व्यवसायों को सरलता से कम लागत में आगे बढ़ने में सहायक होगा। इस एक ही प्लेटफार्म में कोर फाइनेंशियल मैनेजमेंट, बिलिंग, स्पेंड मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, आमेनीचैनल कॉमर्स और पेरोल मैनेजमेंट को इंटीग्रेट किया गया है। एसेट मैनेजमेंट, बजटिंग, वित्तीय समापन की सुविधा भी दी गई है।

एक सपने जैसा- यह हमारे लिए एक सपने जैसा है। 15 साल से अधिक समय से हम इस पर काम कर रहे थे। इसका यूजर इंटरफेस मॉर्डन होने के साथ इतना यूजर फ्रेंडली है कि इसे अपनाना बहुत सरल होगा। प्लेटफार्म को आसानी से कस्टमाईज किया जा सकता है। - डॉ. श्रीधर वेम्बु, सह संस्थापक, जोहो

जोहो ईआरपी में मैन्यूफैक्चरिंग, डिस्ट्रीब्यूशन, रिटेल और नॉन प्रॉफिट संगठनों के लिए उनकी जरूरत के अनुसार फीचर्स हैं। यह उनकी संचालन और अनुपालन से जुड़ी विशेष जरूरतों को पूरा करता है। इससे प्रोक्योरमेंट, प्रोडक्शन प्लानिंग से लेकर अंतिम बिक्री तक सभी चरणों का प्रबंधन कर सकते हैं।

एनटीपीसी को मिला शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी का कंट्रोल, मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड पावर सेक्टर की कंपनी- इंडिया लिमिटेड का कंट्रोल अब एनटीपीसी के पास है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी अब पीटीसी की एकमात्र प्रवर्तक होगी जबकि अन्य तीन प्रवर्तकों - पीएफसी, पावरग्रिड और एनएचपीसी को कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के अनुसार अपने नामित निदेशकों को बोर्ड से हटाना होगा और अपने प्रवर्तक अधिकार छोड़ने होंगे। पीटीसी में वर्तमान सीएमडी की भूमिका में विभाजन का भी प्रावधान है। एनटीपीसी के सीएमडी गैर-कार्यकारी अध्यक्ष का पद ग्रहण करेंगे, जबकि पीटीसी के वर्तमान सीएमडी को प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में पुनः नामित किया जाएगा।

पीटीसी के शेयर का हाल

सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को पीटीसी इंडिया के शेयर मामूली बढ़त के साथ 157.55 रुपये पर बंद हुए। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 206.90 रुपये और 52 हफ्ते का लो 128.90 रुपये है। एनटीपीसी शेयर की बात करें तो 1.66त्न टूटकर 336.80 रुपये पर बंद हुआ। मार्च 2025 में शेयर 371.10 रुपये पर था तो फरवरी 2025 में यह 292.70 रुपये के निचले स्तर तक आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का क्रमशः हाई और लो है।

पीटीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने शुक्रवार, 23 जनवरी को ऊर्जा मंत्रालय के एक अहम ऑफिस मेमोरेंडम पर संज्ञान लिया, जिसमें कंपनी के प्रमोटर ढांचे और प्रबंधन व्यवस्था में बड़े बदलाव का प्रावधान किया गया है। अब पीएफसी, पावरग्रिड और एनएचपीसी से अपेक्षा की गई है कि वे औपचारिक रूप से पीटीसी इंडिया को अपने नॉमिनी डायरेक्टर्स की वापसी और प्रमोटर अधिकार छोड़ने की सूचना दें। इसके अलावा, एनटीपीसीको प्रबंधन नियंत्रण सौंपे जाने के बाद, ऊर्जा मंत्रालय भी कंपनी के बोर्ड से अपने नॉमिनी डायरेक्टर को वापस ले सकता है। इस पूरी प्रक्रिया के सुचारु क्रियान्वयन के लिए एनटीपीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जो नए प्रबंधन ढांचे के कार्यान्वयन का समन्वय और निगरानी करेंगे।

हड़ताल पर जा रहे बैंक के कर्मचारी तीन दिन तक ग्राहकों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक कर्मचारी संगठनों ने पांच दिन के कार्य सप्ताह की अपनी लंबे समय से अनसुनी मांग को लेकर 27 जनवरी को देशव्यापी हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर यह हड़ताल होती है, तो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में कामकाज लगातार तीन दिनों तक बाधित रहेंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि 25 और 26 जनवरी को पहले से ही छुट्टियां हैं। ज्यादातर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने पहले ही अपने ग्राहकों को बता दिया है कि अगर हड़ताल होती है, तो बैंकिंग सेवाएं बाधित हो सकती हैं।

सुलह बैठक असफल

अधिकारियों और कर्मचारियों के नौ संगठनों के शीर्ष निकाय- यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा दिए गए हड़ताल के नोटिस के जवाब में मुख्य श्रम आयुक्त ने बुधवार और गुरुवार को एक सुलह बैठक आयोजित की थी। यूएफबीयू ने एक बयान में कहा, बैठक में आईबीए और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के अलावा, वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। यूएफबीयू की ओर से हमारे सभी नौ संगठन उपस्थित थे। विस्तृत चर्चा के बावजूद, सुलह की कार्यवाही का कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। बयान में आगे कहा गया कि इसीलिए 27 जनवरी को हड़ताल करने का निर्णय लिया गया है। बता दे कि इस समय बैंक कर्मचारियों को रविवार के अलावा हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी मिलती है।

मार्च 2024 में बनी थी सहमति

सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने पर मार्च 2024 में वेतन संशोधन समझौते के दौरान भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और यूएफबीयू के बीच सहमति बनी थी। यूएफबीयू ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार हमारी जायज मांग पर प्रतिक्रिया नहीं दे रही है। इसमें काम के घंटों का कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि हम सोमवार से शुक्रवार तक रोजाना अतिरिक्त 40 मिनट काम करने के लिए तैयार हो गए हैं। यूएफबीयू ने कहा कि आरबीआई, एलआईसी, जीआईसी, शेयर बाजार और सरकारी कार्यालय पहले ही पांच दिवसीय कार्य सप्ताह का पालन करते हैं, ऐसे में बैंकों में ऐसा न होने का कोई औचित्य नहीं है। यूएफबीयू की इस हड़ताल का एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे निजी क्षेत्र के बड़े बैंकों की शाखाओं के कामकाज पर असर पड़ने की आशंका नहीं है।

डॉलर के मुकाबले 92 तक लुढ़का रुपया, विदेशी मुद्रा भंडार के मोर्चे पर राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी रुपया की गिरावट का सिलसिला जारी है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंच गया। हालांकि, अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मामूली सुधार के साथ 91.90 पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.45 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 91.41 के उच्च तथा 92.00 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा।

अंत में 91.90 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट है। बता दें कि रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ 91.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले रुपया 21 जनवरी को 68 पैसे टूटकर 91.65 प्रति डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। बता दें कि इस महीने अब तक रुपया 200 पैसे तक यानी दो प्रतिशत तक लुढ़क चुका है।

विदेशी मुद्रा भंडार में तगड़ा उछाल

इस बीच, आरबीआई ने बताया कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था। बता दें कि मुद्रा भंडार सितंबर 2024 में 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन हाल के दिनों में इस पर दबाव देखा गया। खासकर तब जब रुपये में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया गया।

विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में उछाल

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 9.65 अरब डॉलर बढ़कर 560.51 अरब डॉलर हो गई। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल होते हैं। आरबीआई ने कहा कि सप्ताह के दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 4.62 अरब डॉलर बढ़कर 117.45 अरब डॉलर हो गया।

यस बैंक शेयर बिक्री में पीडब्ल्यूसी-ईवाई पर इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। यस बैंक के शेयरों की 2022 में खरीदी मामले में बाजार नियामक सेबी ने प्राइस वाटर हाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) और अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) की घरेलू इकाइयों के पूर्व एवं मौजूदा अधिकारियों पर कारोबार नियमों का उल्लंघन का आरोप लगाया है। अमेरिका की प्राइवेट इक्विटी फर्मों कार्लाइल समूह और एडवेंट के अधिकारियों पर सौदे से संबंधित अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नवंबर में जारी नोटिस में कहा, पीडब्ल्यूसी और ईवाई के दो अधिकारियों एवं परिवार के पांच सदस्यों-दोस्तों ने यस बैंक के 2022 के शेयर ऑफर से पहले ट्रेडिंग कर अवैध लाभ कमाया। आरोपियों में से अधिकांश अब भी अपनी-अपनी कंपनियों में हैं। कार्लाइल, एडवेंट, पीडब्ल्यूसी और ईवाई के भारतीय अधिकारियों ने अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी साझा की। यस बैंक के बोर्ड के एक पूर्व सदस्य पर भी मूल्य संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है, जिसका अन्य लोगों ने फायदा उठाया।नियामक का यह नोटिस जुलाई, 2022 के शेयर ऑफर से पहले यस बैंक के शेयरों में उतार-चढ़ाव की जांच के बाद आया है। इसमें कार्लाइल और एडवेंट ने 1.1 अरब डॉलर में 10 फीसदी हिस्सा खरीदा था। 29 जुलाई, 2022 को सौदे की घोषणा के एक दिन बाद बैंक का शेयर 6 फीसदी चढ़ गया।

गोपनीयता नियमों का भी उल्लंघन

शेयर बिक्री से पहले एडवेंट ने कर सलाहकार सेवाओं के लिए ईवाई को नियुक्त किया। यस बैंक ने मूल्यांकन कार्य करने के लिए ईवाई मर्चेंट बैंकिंग को नियुक्त किया था। उसी समय कार्लाइल और एडवेंट ने कर नियोजन एवं उचित जांच के लिए पीडब्ल्यूसी को नियुक्त कर दिया था। बाजार नियामक सेबी ने पाया कि ईवाई और पीडब्ल्यूसी दोनों के अधिकारियों ने गोपनीयता नियमों का उल्लंघन किया। इससे कुछ व्यक्तियों को पूंजी जुटाने से पहले यस बैंक के शेयरों का व्यापार करने की अनुमति मिली।

कार्रवाई: लग सकता है प्रतिबंध

यह कदम नियामकीय कार्रवाई का दुर्लभ उदाहरण है, जिसमें वैश्विक सलाहकार और निजी इक्विटी फर्मों के वरिष्ठ अधिकारियों समेत 19 लोगों पर इनसाइडर ट्रेडिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप है। इनमें से सात ने विशेषाधिकार प्राप्त जानकारी के आधार पर ट्रेडिंग की और चार ने वह जानकारी साझा की। इसमें पीडब्ल्यूसी और ईवाई के आठ अधिकारी हैं।आरोपी व्यक्ति और कंपनियां सेबी के नोटिस का जवाब तैयार करने की प्रक्रिया में हैं। आरोप सही पाए जाने पर आर्थिक दंड या प्रतिबंध लगाएजा सकते हैं।

सेबी बोला- क्यों न लगाएं जुर्माना

बाजार नियामक सेबी ने नोटिस में कहा, ईवाई की आंतरिक व्यापार नीति नियमों के अनुरूप नहीं थी। साथ ही, नियामक ने ईवाई इंडिया के चेयरमैन राजीव मेमानी और मुख्य परिचालन अधिकारी से यह बताने को कहा है कि उन पर जुर्माना क्यों नहीं लगना चाहिए।

अशीष कचोलिया, मुकुल अग्रवाल और विजय केडिया ने क्यू3 में लगाया पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के चर्चित निवेशक अशीष कचोलिया, मुकुल अग्रवाल और विजय केडिया के पोर्टफोलियो में कई कंपनियां दिसंबर तिमाही के दौरान शामिल हुए हैं। वहीं, कुछ कंपनिया पोर्टफोलियो से बाहर गई हैं।

दिसंबर तिमाही में अशीष कचोलिया ने अपने 2400 करोड़ रुपये के पोर्टफोलियो में दो स्टॉक शामिल किए हैं। एडकाउंटी मीडिया के शेयरहोल्डिंग के अनुसार इस कंपनी ने अशीष कचोलिया ने 2.89 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। यह एसएमई स्टॉक जुलाई 2025 में लिस्ट हुआ था।

दूसरी कंपनी टेकएरा इंजीनियरिंग है। कचोलिया ने इस कंपनी में 4.98 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। उन्होंने 7.98 लाख शेयर खरीदे हैं। यह खरीदारी ऐसे समय में हुई है जब स्टॉक अपने उच्चतम स्तर से 46 प्रतिशत टूट चुका है।

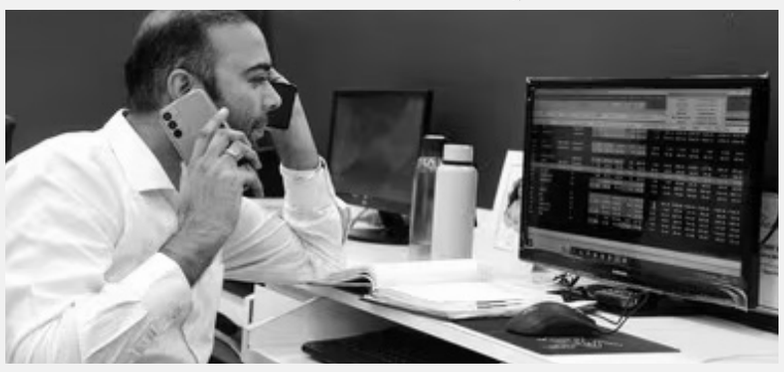

इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इन दो नई कंपनियों के अलावा कचोलिया ने गुजरात अपोलो में अपनी हिस्सेदारी 1.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.3 प्रतिशत हो गई है। मौजूदा समय में यह स्टॉक 52 वीक हाई से 30 प्रतिशत की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। उन्होंने अपनी हिस्सेदारी 0.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.9 प्रतिशत कर लिया है। यह स्टॉक भी 52 वीक हाई की तुलना में 13 प्रतिशत लुढ़क चुका है।

मुकुल अग्रवाल- इस दिग्गज निवेशक ने 6600 करोड़ रुपये के पोर्टफोलियो तीन स्टॉक को शामिल किया है। मुकुल अग्रवाल ने हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन में 1.68 प्रतिशत, अलकारगो लॉजिस्टिक्स 2.9 प्रतिशत और सुदीप फार्मा में 1.3 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल किया है।

इसके अलावा ने वासा डेंटीसिटी में 0.4 प्रतिशत, विक्रन इंजीनियरिंह में 0.2 प्रतिशत, एन आर अग्रवाल 0.1 प्रतिशत हिस्सेदारी को बढ़ाया है। मुकुल अग्रवाल ने मोनोलिथिक में उन्होंने 0.2 प्रतिशत, पर्ल ग्लोबल और इंफोबिंस टेक्नोलॉजी में उन्होंने 0.2 प्रतिशत हिस्सेदारी घटाई है। ऑटोराइडर्स में 0.7 प्रतिशत, जोटा हेल्थकेयर 0.8 प्रतिशत और एएसएम टेक्नोलॉजी में 0.4 प्रतिशत हिस्सेदारी घटाई है।

विजय केडिया- इस दिग्गज निवेशक का पोर्टफोलियो 1100 करोड़ रुपये का है। विजय केडिया ने पटेल इंजीनियरिंग में उन्होंने 1.01 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। उन्होंने हिस्सेदारी केडिया सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड हासिल की है।

केडिया ने अद्वैत ऊर्जा संक्रमण को भी अपने पोर्टफोलियो में शामिल किया है। उन्होंने इस कंपनी में 1.14 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की है। बता दें, विजय केडिया नेप्रेसिजन कैमशाफ्ट्स में हिस्सेदारी घटाई है। उन्होंने या तो अपनी पूरी हिस्सेदारी घटा दी है। या फिर होल्डिंग 1 प्रतिशत से नीचे आ गया है।

रूस से तेल आयात घटा रहा इंडियन ऑयल, ब्राजील-अंगोला से खरीद बढ़ी, अमेरिका से व्यापार समझौते में मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने मार्च में रूसी तेल में कटौती की भरपाई के लिए ब्राजील की पेट्रोब्रास समेत कई अन्य देशों से 70 लाख बैरल तेल खरीदा है। घरेलू रिफाइनरियां अपने शीर्ष आपूर्तिकर्ता रूस से दूरी बनाने और मध्य पूर्व से आयात बढ़ाने के लिए रणनीतियों में बदलाव कर रही हैं। यह कदम भारत को अमेरिका के साथ टैरिफ कम करने के लिए व्यापार समझौता करने में मदद कर सकता है।

सूत्रों के अनुसार, आईओसी ने शेल से अबू धाबी के मुरबान ग्रेड

का 10 लाख बैरल और व्यापारी मर्कुरिया से अपर जाकुम ग्रेड का 20 लाख बैरल खरीदा है। एक्सॉन से अंगोला के हंगो और क्लोव ग्रेड का 10 लाख बैरल भी खरीदा है। आईओसी ने वैकल्पिक अनुबंध के तहत पेट्रोब्रास से ब्राजील के बुजियोस तेल के 20 लाख बैरल भी खरीदे हैं, जो पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर सौदा करने की सुविधा प्रदान करता है।

अमेरिका से व्यापार समझौते को मिल सकती है मजबूती

ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि रूस से तेल आयात में कटौती और अन्य देशों से खरीद बढ़ाने का यह कदम भारत को अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में मदद कर सकता है। खासतौर पर टैरिफ में राहत और ऊर्जा व्यापार को लेकर भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि गोपनीयता समझौतों के चलते इन सौदों की कुल कीमत सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन यह साफ है कि भारतीय रिफाइनरियां अब केवल सस्ती आपूर्ति नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक संतुलन और दीर्घकालिक रणनीति को ध्यान में रखकर फैसले ले रही हैं।

रूस से दूरी, रणनीति में बदलाव

गोपनीयता समझौतों के कारण तेल खरीदी के कुल मूल्य का आंकड़ा कंपनियों ने नहीं दिया है। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में भारत का रूसी तेल आयात दो वर्षों में सबसे निचले स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, ओपेक देशों से आयात का हिस्सा 11 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत रियायती रूसी समुद्री कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा, आईओसी ने पिछले माह कोलंबिया की सरकारी तेल कंपनी इकोपेट्रोल से वैकल्पिक आपूर्ति समझौते के तहत पहला कोलंबियाई तेल खरीदा। इक्वाडोर के ओरिएंट क्रूड की भी पहली बार खरीदी की थी।

विश्व व्यापार संगठन की मुहिम से जुड़ा भारत, 85 करोड़ लोगों को दिया जाएगा कौशल प्रशिक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व आर्थिक मंच ने चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए दुनिया में पांच नए केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है, जिनमें एक केंद्र भारत के आंध्र प्रदेश में बनाया जाएगा। इसके साथ ही विश्व आर्थिक मंच ने कौशल विकास को लेकर एक बड़ी वैश्विक पहल की घोषणा की है। इसका लक्ष्य दुनिया भर में 85 करोड़ से अधिक लोगों को स्किल ट्रेनिंग देना है।

वार्षिक बैठक का हुआ समापन

वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और भू-राजनीतिक तनावों के बीच दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की वार्षिक बैठक में भारत की भूमिका को लेकर दुनिया ने भरोसा जताया। पांच दिन चली इस बैठक में भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, स्थिर नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल की सराहना की गई। वैश्विक नेताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने माना कि अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत विकास और स्थिरता का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है।

85 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा स्किल डेवलपमेंट का लाभ

डब्ल्यूईएफ ने शुक्रवार को कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट) के क्षेत्र में एक बड़ी वैश्विक पहल की घोषणा की है, जिसका लाभ दुनिया भर में 85 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत भारत और जॉर्डन में नए स्किल्स और एजुकेशन एक्सेलरेटर शुरू किए जाएंगे। इससे वैश्विक स्तर पर 45 राष्ट्रीय एक्सेलरेटरों के नेटवर्क को और मजबूती मिलेगी, जिन्होंने अब तक सामूहिक रूप से 1.48 करोड़ लोगों को समर्थन दिया है।

भारत को बड़ी उपलब्धि, आंध्र प्रदेश में बनेगा चौथी औद्योगिक क्रांति का नया केंद्र

डब्ल्यूईएफ ने चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए दुनिया भर में पांच नए केंद्र स्थापित करने का फैसला किया है, जिनमें एक केंद्र भारत के आंध्र प्रदेश में बनाया जाएगा। भारत में पहले से ही ऐसे दो केंद्र मौजूद हैं, एक मुंबई में और दूसरा तेलंगाना में। अब आंध्र प्रदेश में नया केंद्र बनने से भारत की तकनीकी और नवाचार क्षमता को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। चौथी औद्योगिक क्रांति नेटवर्क एक ऐसा मंच है, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को एक साथ जोड़ता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उभरती तकनीकों का उपयोग समाज के लिए लाभकारी हो, साथ ही उनसे जुड़े जोखिमों को भी कम किया जा सके।

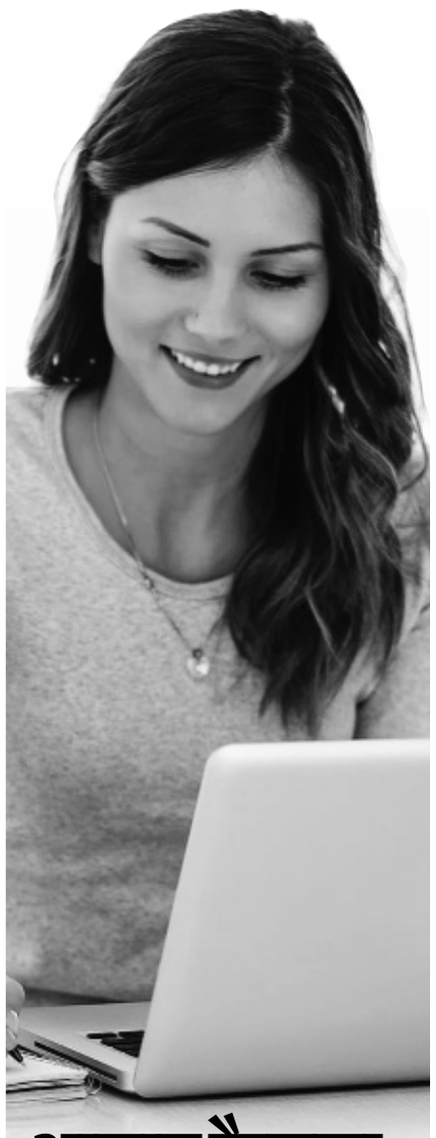

आसान फैसला नहीं है फ्रीलांसिंग शुरु करना

काम-काज की स्वतंत्रता और अच्छी कमाई के चलते आजकल बहुत से लोग अलग-अलग फील्ड्स में फ्रीलांसिंग को रोजगार के विकल्प में अपनाने लगे हैं। फ्रीलांसिंग शुरु करना बहुत आसान फैसला नहीं है। इसमें कई सारी बातों आपको ध्यान में रखनी होती है जो कि आपके स्वतंत्र करियर को बना या बिगाड़ सकती है। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है खुद को एनालाइज करना। अगर आपके मन में भी फ्रीलांसिंग की इच्छा है तो पहले इन पांच सवालों के बारे में सोच लें।

- स्वतंत्र करियर बनाने की मात्र इच्छा है या आपके अंदर इसे लेकर पैशन है
- आपको क्यों लगता है कि कंपनी के पेरोल से बेहतर आप कर सकते हैं?
- आपके पास क्या सर्विसेस हैं और किसके लिए हैं?
- आपको कैसे इस बात में यकीन है कि आप यह कर पाएंगे?
- कोई भी नई शुरुआत धीरे-धीरे जोर पकड़ती है, क्या आपके पास तब तक सर्वाइव करने के लिए बैकअप अरेंजमेंट है?

इन पांचों सवालों के ईमानदारी से जवाब देकर आप कोई बड़ा कदम उठाने से पहले आश्वस्त हो सकते हैं। अनिश्चित आय-नौकरी से स्वतंत्र काम शुरु करने पर शुरुआत में कुछ मुश्किल हो सकती हैं। नौकरी की तरह आपकी आय निश्चित नहीं होगी। इसलिए यह जरूरी है कि पहले आप अच्छे से मनन-चिंतन कर आगे कदम बढ़ाएं ताकि आपको पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़े।

प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है प्रोडक्ट मैनेजमेंट

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई इसी फील्ड से निकलकर आज एक बड़ा नाम बन चुके हैं। बतौर प्रोडक्ट मैनेजर ऐसे लोग उपभोक्ता का मूड बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उनमें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग स्किल कमाल की होती है। यूं कहें कि इनकी देखरेख में ही नए-नए प्रोडक्ट बनते और लॉन्च होते हैं। यही वजह है कि कंपनियों के ब्रांड डेवलपमेंट विंग में इन दिनों यह जॉब इन डिमांड है।

करियर स्कोप

ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के वार्षिक सर्वे के मुताबिक विश्व भर के करीब 96 प्रतिशत नियोक्ताओं का भरोसा सिर्फ एमबीए ग्रेजुएट्स पर है। इनका मानना है कि ऐसे प्रोफेशनल्स की वजह से ही उनकी कंपनियों को सही वैल्यू मिलती है। करियर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्ट-अप सेक्टर में आए बूम और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की वजह से आने वाले दिनों में एंटरप्रेन्योर्स की तादाद और ज्यादा बढ़ेगी। इससे कंज्यूमर कंपनीज के मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन सेक्शन में प्रोडक्ट मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड पैदा होगी और यह हो भी रही है।

क्या है काम?

प्रोडक्ट मैनेजमेंट मुख्य रूप से प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है। यह मैनेजमेंट की ही एक शाखा है। इसके अंतर्गत किसी भी नए प्रोडक्ट के आइडिएशन और प्लानिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, प्राइसिंग, पैकेजिंग, सेल्स एक्टिविटी और ब्रांडिंग जैसी तमाम प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर आम तौर पर दो तरह की जिम्मेदारियां निभाते हैं। पहला, कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस को बाजार में बनाए रखना और दूसरा, नए प्रोडक्ट या सर्विसेज विकसित करना। ऐसे प्रोफेशनल्स को कंज्यूमर रिसर्च और मार्केट रिसर्च की भी अच्छी समझ होती है। ब्रांडिंग वर्क इस पेशे का सिर्फ एक हिस्सा भर है। कंपनियों में प्रोडक्ट मैनेजर की हैसियत मिनी सीईओ जैसी होती है।

पर्सनल स्किल

कंपनियों में यह एक जिम्मेदारी भरा पद है। आइडिएशन और प्लानिंग इनके करियर का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को क्रिएटिव और इनोवेटिव सोच का होना जरूरी है। वे मैथ्स और फाइनेंस की अच्छी स्किल रखते हों। इंफॉर्मेशन फिल्टरिंग के लिए एनालिटिकल एबिलिटी होनी चाहिए। टीमवर्क, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल और मार्केट ट्रैंड की समझ भी जरूरी है।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मुंबई/ चेन्नाई/ हैदराबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

आकर्षक ग्रोथ

प्रोडक्ट मैनेजमेंट भले ही नए दौर की जॉब है लेकिन यहां ग्रोथ बहुत है। पे-स्केल सर्वे के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को 10 साल के करियर में तीन से चार प्रमोशन आसानी से मिल जाते हैं। इस फील्ड की नियोक्ता कंपनियां एमबीए या बीटेक के बाद हायरिंग में कंसल्टिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स को ज्यादा तरजीह देती हैं। मार्केटिंग ग्रेजुएट और बीबीए उम्मीदवार भी मार्केटिंग असिस्टेंट या एसोसिएट ब्रांड मैनेजर के तौर पर यहां जॉब पा सकते हैं।

जॉब के अवसर

अगर इस फील्ड में जॉब की बात करें, तो आईटी व आईटीईएस कंपनी, ऑटोमोबाइल कंपनी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, मोबाइल, फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर, फूड एंड पर्सनल केयर जैसी कंपनियों में जॉब की तलाश की जा सकती है। एचआर एक्सपर्ट्स की मानें, तो 2026 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 6 लाख हायरिंग होने की उम्मीद है।

कौन-से कोर्स?

देश में कई सरकारी और निजी संस्थान प्रोडक्ट मैनजमेंट से संबंधित कोर्स ऑफर कर रहे हैं। ये कोर्स एमबीए के अलावा, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के रूप में भी उपलब्ध हैं, जैसे पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड मटेरियल मैनेजमेंट आदि। कई आईटी संस्थानों में प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के रूप में भी ये कोर्स संचालित हो रहे हैं। अगर आप प्रोडक्ट मैनेजमेंट या ब्रांड मैनेजमेंट में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है।

सैलरी पैकेज

प्रोडक्ट मैनेजमेंट एक हाई पेइंग फील्ड है। एंट्री लेवल पर असिस्टेंट मैनेजर जैसे पदों के लिए 30 हजार से 50 हजार रुपए की सैलरी प्रति माह आसानी से मिल जाती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद बतौर प्रोडक्ट मैनेजर इनकी सैलरी 1 लाख रुपए से भी ज्यादा हो जाती है। डिप्लोमाधारी प्रोफेशनल्स को भी इस फील्ड में शुरूआती दौर में 25 से 50 हजार रुपए प्रति माह मिल जाते हैं।

युवाओं के लिए बेहतरीन करियर विकल्प ह्यूमन रिसोर्स

नए करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एक बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे एम्प्लॉई को हायर करना मुश्किल काम हो गया है, लेकिन एचआर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे लोगों को हायर करें, जो कंपनी या ऑर्गनाइजेशन के मिशन को पूरा करने में सहायक हों। साथ ही, ट्रेनिंग, सैलरी आदि को हैंडल करना भी इन्हीं के जिम्मे होता है। यही कारण है कि इन दिनों एचआर की जरूरत करीब-करीब हर इंडस्ट्री में है।

आमतौर पर देश के प्रमुख बिजनेस स्कूल ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। जैसे-एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स ऐंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट। इन कोर्सों में एडमिशन पाने के लिए जरूरी है कि स्टूडेंट्स किसी मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी संकाय में स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हों। इस कोर्स के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। अधिकतर सरकारी संस्थानों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, तर्क शक्ति अर्थात रीजनिंग, जनरल साइंस, जनरल नॉलेज आदि से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद जीडी और इंटरव्यू में हिस्सा लेना पड़ता है। इस प्रक्रिया के बाद ही एडमिशन हो पाता है।

स्किल्स

ह्यूमन रिसोर्स के फील्ड में सफल होने के लिए फ्रैंडली पर्सनैल्टी का होना जरूरी है। सबसे खास बात यह कि एम्प्लॉई को हैंडल करने, यूनियन आदि से भी निपटने की काबिलियत के साथ-साथ प्रेशर में काम करने का गुण बेहद जरूरी है। एचआर की कम्युनिकेशन स्किल भी उम्दा होनी चाहिए, क्योंकि इनका काम टीम को एक साथ लेकर चलने के अलावा, एम्प्लॉई को मोटीवेट करना भी होता है। एचआर को कंपनी के कायदे-कानून के साथ-साथ नए ट्रेंड की भी जानकारी होनी चाहिए।

रोजगार के अवसर

एचआर के फील्ड में शानदार स्कोप है। चाहे कोई भी इंडस्ट्री हो या फिर बिजनेस, हर जगह इनकी मांग देखी जा रही है। दरअसल, इनका काम वर्क फोर्स को मैनेज करने से जुड़ा होता है। यही वजह है कि प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ गवर्नमेंट डिपार्टमेंट में भी इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन दिनों बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनी के साथ-साथ छोटी-छोटी कंपनियों में ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े पेशेवर लोगों की नियुक्ति की जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉर्पोरेट हाउस, मल्टीनेशनल कंपनी, एयरलाइंस, फैक्टरी, गवर्नमेंट डिपार्टमेंट आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है। ह्यूमन रिसोर्स आउटसोर्सिंग का क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में हॉट स्पॉट बनकर उभर रहा है। एचआर का कंपनी में एक महत्त्वपूर्ण स्थान होता है अत: इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने के बाद शुरुआत में लोगों को चार से सात लाख रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिलने लगता है।

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है।

कला में स्नातक होने के बाद कॅरियर के अपार अवसर

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते हैं कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर

कैरियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और चयनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफ़ाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार

पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर
- सोशल मीडिया मार्केटर
- सामग्री विपणक
- ईमेल मार्केटर
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

आज गुवाहाटी में 3-0 की तैयारी

सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत की नज़र क्लीन स्वीप पर

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच जारी टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला रविवार 24 जनवरी शाम 7 बजे गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज़ में 2-0 की बढ़त बना चुकी टीम इंडिया की नज़रें इस मैच को जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करने पर होंगी, जबकि न्यूज़ीलैंड की टीम सम्मान बचाने और सीरीज में बने रहने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

कप्तान सूर्यकुमार यादव पर होंगी निगाहें

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव इस सीरीज़ में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी-20 में अब तक 9 मैचों में 316 रन बनाए हैं। पिछला मुकाबला रायपुर में खेला गया था, जहां एसकेबाय ने 37 गेंदों में 82 रन की तूफ़ानी पारी खेली और भारत की जीत की नींव रखी।

भारतीय बल्लेबाज़ी में गहराई

दूसरे टी-20 में ईशान किशन (76 रन, 32 गेंद) ने भी बेहतरीन बल्लेबाज़ी की। इसके अलावा- अभिषेक शर्मा शुरुआती ओवरों में आक्रामक शुरुआत देने में सक्षम हैं, हार्दिक पांड्या ऑलराउंडर की भूमिका में अहम रहेंगे, रिंकू सिंह फिनिशर के तौर पर टीम को मजबूती देते हैं।

गेंदबाज़ी में भी भारत मजबूत

भारत की तेज़ गेंदबाज़ी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह संभालेंगे। वहीं स्पिन विभाग में- वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या अतिरिक्त गेंदबाज़ी विकल्प उपलब्ध कराते हैं।

न्यूज़ीलैंड की चुनौतियां

न्यूज़ीलैंड की टीम अब भी अपने बल्लेबाज़ी क्रम में स्थिरता तलाश रही है, खासकर नंबर-3 पोज़िशन को लेकर डैरिल मिचेल से मिडिल ऑर्डर को संभालने की उम्मीद, रचिन रवींद्र और मिचेल सैंटनर फॉर्म में लौटना चाहेंगे, डेथ ओवर्स में काइल जैमीसन अहम हथियार होंगे, स्पिन में इश सोढ़ी और जैकब डफी की जिम्मेदारी होगी, डेवोन कॉनवे विकेटकीपिंग करेंगे, जबकि ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन और मार्क चैपमैन बल्लेबाज़ी को गहराई देंगे।

पिच और टॉस फैक्टर

बरसापारा स्टेडियम में पहले बल्लेबाज़ी करने वाली टीम का औसत स्कोर 185-190 रन रहा है। पिच बल्लेबाज़ों के अनुकूल मानी जाती है, लेकिन स्लोअर बॉल और वैरिएशन असरदार साबित हो सकती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टेस्ट टीम घोषित

प्रतीका रावल, वैष्णवी शर्मा और क्रांति गौड़ को पहली बार मौका, कमलिनी बाहर

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इकलौते टेस्ट के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान कर दिया गया है। शनिवार को जारी टीम में वर्ल्ड कप जीतने वाली स्टार बैटर प्रतीका रावल, बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को मौका दिया गया है। इन तीनों को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। यह मुकाबला 6 से 9 मार्च तक पर्थ में खेला जाएगा। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। यह टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया दौरे के व्हाइट बॉल मुकाबलों के बाद खेला जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहले 3 टी-20 और 3 वनडे मैच खेले जाएंगे, जिनकी शुरुआत 15 फरवरी से होगी।

वनडे प्रदर्शन के दम पर प्रतीका को मौका - प्रतीका रावल का टेस्ट टीम में चयन उनके हालिया वनडे प्रदर्शन को देखते हुए लगभग तय माना जा रहा था। उन्होंने 24 वनडे मैचों में 50.45 की औसत से 1110 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 2 शतक और 7 अर्धशतक दर्ज हैं।

वैष्णवी और क्रांति का भी पहला टेस्ट कॉल-अप

20 साल की वैष्णवी शर्मा ने शुरुआती 2025 में भारत की अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज में सीनियर टीम में डेब्यू किया था। वैष्णवी अब तक 5 टी-20 खेल चुकी हैं। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने पिछले साल भारत के लिए डेब्यू किया था। वह अब तक 15 वनडे और 4 टी-20 खेल चुकी हैं। वनडे फॉर्मेट में वे खासा प्रभावी रही हैं और 23 विकेट ले चुकी हैं।

मुंबई की साठघरे को भी मौका

मुंबई की तेज गेंदबाज सयाली साठघरे को भी टीम में जगह मिली है। 25 साल की सयाली ने जनवरी 2025 में आयरलैंड के खिलाफ 3 वनडे खेले थे। उनके चयन के चलते अनुभवी अरुंधति रेड्डी को टीम में मौका नहीं मिला। युवा विकेटकीपर जी कमलिनी चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर हो गई हैं। चयनकर्ताओं ने उनकी जगह उमा चेत्री को भारत की टी-20 और वनडे टीम में शामिल किया है।

भारत की महिला टेस्ट टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा चेत्री (विकेटकीपर), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली साठघरे।

आस्ट्रेलियाई ओपन 2026

मेलबर्न में गर्मी का कहर, 36डिग्री तापमान पर आउटडोर मैच स्थगित

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के दौरान शनिवार को भीषण गर्मी ने टूर्नामेंट की रफ्तार रोक दी। मेलबर्न पार्क में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के बाद आयोजकों ने एक्सट्रीम हीट पॉलिसी के तहत आउटडोर कोर्ट्स पर खेले जा रहे मुकाबले स्थगित कर दिए, जबकि मुख्य शो कोर्ट्स की छतें बंद कर दी गईं।

खिलाड़ियों की सुरक्षा को दी गई प्राथमिकता - तेज गर्मी और उमस को देखते हुए टूर्नामेंट अधिकारियों ने खिलाड़ियों की सेहत को प्राथमिकता दी। ऑस्ट्रेलियन ओपन की एक्सट्रीम हीट पॉलिसी के तहत चार प्रमुख मौसम कारकों–हवा का तापमान, रेडिएंट हीट, हवा की गति, नमी का आकलन किया जाता है। जब हालात लेवल-5 तक पहुंचते हैं, तो मैच रोक दिए जाते हैं और स्टेडियम की छतें बंद कर दी जाती हैं। दर्शकों के लिए भी विशेष सलाह जारी की गई–पानी पीते रहें, टोपी पहनें और स्टेडियम में लगे मिस्टिंग फैंस का इस्तेमाल करें।

जैनिक सिनर पर गर्मी का असर, मैच अस्थायी रूप से रुका - डिफेंडिंग मेंस सिंगल्स चैंपियन जैनिक सिनर पर गर्मी का असर साफ दिखा। रोड लेवर एरीना में अनसीडेड अमेरिकी खिलाड़ी एलियट स्पिज़िर्री के खिलाफ मुकाबले के दौरान सिनर को मसल क्रैम्प्स और मूवमेंट में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

भारत ने छठी बार 200+ का लक्ष्य पार किया,पाकिस्तान का रिकॉर्ड ध्वस्त किया

- ईशान को कप्तान ने गले से लगाया, सूर्या की 23 इनिंग बाद फिफ्टी

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में भारत ने न्यूजीलैंड को 28 गेंद रहते हरा दिया। 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए यह भारत की अब तक की सबसे तेज जीत रही। टीम इंडिया ने 209 रन का टारगेट सिर्फ 15.2 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल किया और छठी बार 200+ का टारगेट चेज किया। इसके साथ ही सीरीज में भारत ने लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली। मैच में कई रिकॉर्ड बने, लेकिन सबसे यादगार प्रदर्शन ईशान किशन का रहा। उन्होंने महज 21 गेंदों में अर्धशतक जड़कर मुकाबले का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। एक खास पल तब देखने को मिला, जब आउट होने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ईशान को गले लगाकर उनकी पारी की सराहना की। सूर्या ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए 23 पारियों बाद टी-20 में फिफ्टी पूरी की और 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाए। दोनों के बीच 122 रन की साझेदारी ने न्यूजीलैंड को मुकाबले से बाहर कर दिया।

भारत ने छठी बार 200+ रन का लक्ष्य हासिल किया

टी-20 इंटरनेशनल में भारत ने 200 या उससे ज्यादा रन का लक्ष्य छठी बार हासिल कर लिया। इस उपलब्धि के साथ टीम इंडिया इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारत ने 209 रन का लक्ष्य हासिल कर अपने दूसरे सबसे बड़े रन चेज की बराबरी कर ली। इससे पहले टीम इंडिया का सबसे बड़ा रन चेज 2009 में मोहाली में देखने को मिला था, जब भारत ने 211 रन का टारगेट सफलतापूर्वक पूरा किया था। यह जीत इसलिए भी खास रही, क्योंकि घर पर 100वां टी-20 मैच खेल रही भारत ने मैच जीता।

ईशान की 21 गेंदों में फिफ्टी, भारत - न्यूजीलैंड इतिहास की सबसे तेज - भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 मुकाबलों में सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड अब ईशान किशन के नाम दर्ज हो गया है। ईशान ने 21 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले इस सूची में अभिषेक शर्मा का नाम था, जिन्होंने नागपुर में 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।इस मैच में ईशान किशन का आक्रामक अंदाज पावरप्ले में ही देखने को मिला, जहां उन्होंने शुरुआती 6 ओवर में 56 रन ठोक दिए। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी भारतीय बल्लेबाज का पावरप्ले में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ पावरप्ले में 58 रन बनाए थे।

सूर्या की 23 इनिंग बाद फिफ्टी - 11वें ओवर में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 23 गेंदों में फिफ्टी लगाई, जो 23 पारियों के बाद आई। सूर्या ने 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।यह आठवीं बार था जब उन्होंने 25 या उससे कम गेंदों में अर्धशतक जड़ा, जबकि 200 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से फिफ्टी लगाने का यह उनका 11वां मौका रहा।

न्यूजीलैंड का भारत में भारत के खिलाफ हाईएस्ट टी-20 टोटल - भारत की सरजमीं पर न्यूजीलैंड ने टी-20 इंटरनेशनल में अपना सबसे बड़ा स्कोर 208 रन बनाया। इससे पहले न्यूजीलैंड का भारत में सबसे बड़ा स्कोर 2017 में राजकोट में 196 रन का था, और उस मुकाबले में न्यूजीलैंड को जीत भी मिली थी।

फाउक्स एक पारी में सबसे ज्यादा रन देने वाले बॉलर - कीवी तेज गेंदबाज जैक फाउक्स ने टी-20 इंटरनेशनल में एक पारी की शुरुआत में सबसे ज्यादा रन लुटाने का रिकॉर्ड बना दिया। फाउक्स ने अपने शुरुआती तीन ओवर में 67 रन खर्च कर दिए, जो इस फॉर्मेट में अब तक का सबसे महंगा स्पेल है।इससे पहले यह रिकॉर्ड आयरलैंड के लायम मैक्कार्थी के नाम था। मैक्कार्थी ने 2025 में ब्रेडी में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले तीन ओवर में 63 रन दिए थे।

टी-20 वर्ल्डकप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड खेलेगा

बोर्ड ने डेडलाइन तक जवाब नहीं दिया; आईसीसी ने स्कॉटिश बोर्ड से बात की

दुबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर बांग्लादेश की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं और अब उसका टूर्नामेंट से बाहर होना लगभग तय माना जा रहा है। आईसीसी कुछ देर में इसका अधिकृत ऐलान कर सकता है। उसने स्कॉटलैंड क्रिकेट बोर्ड से बात की है और वर्ल्ड कप खेलने के लिए तैयार रहने को कहा है। भारत में मैच खेलने के आईसीसी के फैसले के खिलाफ बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने डिस्प्यूट रिजोल्यूशन कमेटी (डीआरसी) में जो अपील की थी, उस पर सुनवाई की गुंजाइश नहीं है, क्योंकि यह मामला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। मीडिया सूत्रों के अनुसार बीसीबी ने सभी कानूनी विकल्प आजमाने के इरादे से यह अपील दायर की थी, लेकिन नियमों के चलते उसे कोई राहत नहीं मिलने वाली।बोर्ड का कहना है कि यदि यहां से भी मामला खारिज होता है, तो आखिरी रास्ता कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ही बचेगा। उधर, आईसीसी की ओर से दी गई 24 घंटे की समय-सीमा के भीतर बांग्लादेश की तरफ से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया, जिससे स्थिति और साफ हो गई।

हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को नेशनल टीम के खिलाड़ियों के साथ ढाका में बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, हम वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में हमारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा को लेकर चिंता अब भी बनी हुई है।

रेप केस में क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक

- हाईकोर्ट ने आरसीबी के बॉलर को 30 जनवरी तक थाने में पेश होने को कहा

जयपुर (एजेंसी)। रेप के आरोपी आईपीएल चैंपियन आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल की गिरफ्तारी पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस गणेशराम मीणा की अदालत ने शुक्रवार को क्रिकेटर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि 30 जनवरी तक जयपुर के सांगानेर थाने में जांच अधिकारी के सामने पेश हों।

केस डायरी के साथ जांच अधिकारी कोर्ट में रहे मौजूद - यश के वकील चंद्रशेखर शर्मा ने बताया- पिछली सुनवाई में कोर्ट ने केस डायरी के साथ जांच अधिकारी (आईओए) को बुलाया था। जांच अधिकारी कोर्ट में मौजूद थे। कोर्ट में बताया कि मामले में दो साल की देरी से एफआईआर दर्ज करवाई गई है। हम जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इस पर कोर्ट ने गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी।

बता दें कि पास्को कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद यश दयाल ने हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है।

नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से बाहर, नाम वापस लिया

बोलीं- शरीर को ध्यान देने की जरूरत; सिनर, कीज और अनिसिमोवा जीते

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियन ओपन की दो बार की चैंपियन नाओमी ओसाका ने तीसरे राउंड से पहले टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। वह शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की क्वालिफायर मैडिसन इंग्लिस के खिलाफ खेलने वाली थीं। ओसाका ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी, लेकिन चोट के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। इंस्टाग्राम पोस्ट में ओसाका ने लिखा कि पिछले मैच के बाद उनके शरीर को ध्यान देने की जरूरत है, इसलिए उन्हें हटने का फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं आगे खेलना चाहती थी और यह रन मेरे लिए बहुत मायने रखता था। यहां रुकना दिल तोड़ने वाला है, लेकिन कोर्ट पर लौटने के लिए मैं किसी और नुकसान का जोखिम नहीं ले सकती।

सिनर का लगातार 25 सेट जीतने का रिकॉर्ड टूटा - मेलबर्न में चल रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे सीड और इटली के स्टार खिलाड़ी यानिक सिनर ने वर्ल्ड रैंकिंग में 85वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी इलियट स्पिजरी को तीन सेट के खेल में हराया। यहां अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए सिनर को पहले सेट में 6-4 से हरा दिया। सिनर ने लगातार 25 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया था। फिर सिनर ने वापसी

करते हुए अगले तीन सेट 6-3, 6-4, 6-4 से जीत हासिल की।

डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज की आसान जीत - महिला सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज का शानदार फॉर्म जारी है। उन्होंने चेक रिपब्लिक की कैरोलिना प्लिस्कोवा को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हरा दिया। कीज ने अपनी दमदार सर्विस और बेसलाइन गेम के दम पर यह मुकाबला महज दो सेटों में खत्म कर दिया। अब चौथे दौर में उनका मुकाबला अपनी ही हमवतन और दोस्त जेसिका पेगुला से होगा।

- दोस्त और पॉडकास्ट पार्टनर के बीच होगा मुकाबला - मैडिसन कीज और छठी सीड जेसिका पेगुला कोर्ट के बाहर काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों मिलकर एक टेनिस पॉडकास्ट भी चलाते हैं। कीज ने जीत के बाद मजाकिया अंदाज में कहा कि मैच से पहले उन्हें एक पॉडकास्ट रिकॉर्ड करना है, लेकिन कोर्ट पर यह दोस्ती किनारे रहेगी। गर्मी पर बात करते हुए फ्लोरिडा की रहने वाली कीज ने कहा कि उन्हें इस तापमान में खेलने में कोई दिक्कत नहीं है।
- अमांडा अनिसिमोवा भी अंतिम-16 में पहुंचीं - एक अन्य मुकाबले में चौथी सीड अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से मात दी। इस जीत के साथ ही अंतिम-16 में चार अमेरिकी महिलाओं ने जगह बना ली है,जो अमेरिकी टेनिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अनिसिमोवा ने पूरे मैच के दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और खिताब के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप चौथी बार एसए20 के फाइनल में

आज प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा खिताबी मुकाबला

केपटाउन (एजेंसी)। क्वालिफायर-2 में पार्ल रॉयल्स को 7 विकेट से हराया, अब प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा खिताबी मुकाबला सनराइजर्स ईस्टर्न केप (एसईसी) ने साउथ अफ्रीका टी-20 लीग (एस20) के फाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए क्वालिफायर-2 के मुकाबले में सनराइजर्स ने पार्ल रॉयल्स को 7 विकेट से शिकस्त दी। सनराइजर्स की टीम 2023 में लीग की शुरुआत से अब तक लगातार चार सीजन में चौथी बार फाइनल में पहुंची है। अब रविवार को केप टाउन में होने वाले खिताबी मुकाबले में सनराइजर्स का सामना प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा। क्वालिफायर-1 में प्रिटोरिया ने ही सनराइजर्स को हराया था।

पार्ल रॉयल्स 114 रन ही बना सकी - पॉल रॉयल्स की टीम वांडरर्स की सूखी पिच पर 114 रन ही बना सकी। सनराइजर्स के स्पिनर्स ने पार्ल रॉयल्स के बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। पिच पर काफी टर्न और असमान उछाल था, जिसका फायदा उठाते हुए लेफ्ट आर्म स्पिनर सेनुरन मुथुसामी ने 4 ओवर में मात्र 15 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं, जेम्स कोल्स ने भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 1 विकेट लिया, जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था। पार्ल रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर चोट की वजह से इस मैच में नहीं खेल सके थे।

काइल वेरेन नाबाद 52 रन बनाए

काइल वेरेन नेअकेले दम पर पॉल रॉयल्स का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। पार्ल रॉयल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था, लेकिन उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने पावरप्ले में ही अपने टॉप ऑर्डर के विकेट गंवा दिए। विकेटकीपर-बल्लेबाज काइल वेरेन ने एक छोर संभाले रखा और 46 गेंदों पर नाबाद 52 रनों की पारी खेली। वेरेन ने अपनी पारी में स्पिनर्स के खिलाफ संभलकर खेला और तेज गेंदबाजों पर रन बटोरे। उनकी इसी मेहनत की बदौलत टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 114 रन तक पहुंच पाई।

जेम्स कोल्स का ऑलराउंड खेल

गेंदबाजी में किफायती रहने वाले जेम्स कोल्स ने बल्लेबाजी में भी अपना दम दिखाया। उन्होंने मात्र 19 गेंदों पर 45 रनों की नाबाद पारी खेलकर मैच को एकतरफा कर दिया। कोल्स ने पार्ट-टाइम गेंदबाजों के खिलाफ जमकर रन बनाए और 12वें ओवर में ही छक्का मारकर अपनी टीम को जीत दिला दी। सनराइजर्स ने यह लक्ष्य 50 गेंदें शेष रहते ही हासिल कर लिया।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो संदेश के माध्यम से नव-नियुक्त उम्मीदवारों को संबोधित किया गया

हम केवल विकास नहीं बल्कि सामाजिक समावेशन के साथ विकास कर रहे हैं: हरदीप सिंह पुरी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। युवा शक्ति के साथ विकसित भारत के संकल्प को प्रोत्साहन देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से देश के विभिन्न 45 स्थानों पर रोजगार मेलों को संबोधित किया और नव-नियुक्त युवाओं को 61,000 से अधिक नियुक्ति-पत्र वितरित किए गए। इसी के तहत परिवहन वाहिनी, तिब्बत सीमा पुलिस बल, बहलाना कैंप, चंडीगढ़ ने शनिवार को रोजगार मेला के 18वें संस्करण का आयोजन किया। इस पहल ने भारत सरकार के पारदर्शी, समयबद्ध और समावेशी भर्ती की मिशन-प्रेरित दृष्टिकोण में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया, जो सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने और युवाओं को सशक्त बनाने का लक्ष्य रखता है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने परिवहन वाहिनी, तिब्बत सीमा पुलिस बल, बहलाना कैंप, चंडीगढ़ स्थित रोजगार मेले में नियुक्ति पत्रों को नव नियुक्त उम्मीदवारों को औपचारिक रूप से सौंपे। चंडीगढ़ में समारोह के दौरान विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए कुल 107 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए। इनमें आईटीबीपी में 10, सीआरपीएफ में 36, सीआईएसएफ में 30, असम राइफल्स में 8, बैंक ऑफ बड़ौदा में 2, यूनियन बैंक में 3, और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में 18 नियुक्तियां शामिल थीं, जो रोजगार मेला के माध्यम से उत्पन्न हो रही सार्वजनिक सेवा के व्यापक अवसरों को दर्शाती हैं।

समागम को संबोधित करते हुए, श्री हरदीप सिंह पुरी जी ने नव नियुक्त उम्मीदवारों और उनके परिवारों को बधाई दी तथा इस अवसर को समर्पण, अनुशासन और दृढ़ता के वर्षों को प्रतिबिंबित करने वाला गौरवपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने जोर दिया कि सार्वजनिक सेवा एक जिम्मेदारी है जहां सरकारी नीतियां नागरिकों के लिए ठोस परिणामों में बदल जाती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये नियुक्तियां प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

श्री पुरी ने बताया कि रोजगार मेला के प्रारंभ से देशभर में 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं, जो सरकार की मिशन-मोड भर्ती के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती हैं। उन्होंने जोर दिया कि चंडीगढ़ में की गई नियुक्तियां केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि भारत की प्रशासनिक और सेवा वितरण तंत्रों को मजबूत करने के निरंतर प्रयास का हिस्सा हैं।

श्री पुरी ने इस मौके भारत की मजबूत विकास दृष्टिकोण, वैश्विक स्थिति में उन्नति, विनिर्माण, निर्यात, लॉजिस्टिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार का उल्लेख किया। विकास की समावेशी प्रकृति पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि, 'हम केवल विकास नहीं, बल्कि सामाजिक समावेशन के साथ विकास कर रहे हैं।' केंद्रीय मंत्री ने आगे सार्वजनिक प्रशासन की आधारशिला के रूप में सेवा को रेखांकित किया, भर्तीकृतों को याद दिलाते हुए कि सरकारी अधिकार नागरिकों के प्रति कर्तव्य है। उन्होंने उन्हें अपनी व्यावसायिक जिंदगी को सक्षमता, अखंडता और शिष्टाचार के स्तंभों पर बनाने का आह्वान किया, जो प्रभावी और विश्वसनीय शासन की नींव बनाते हैं।

वर्दीधारी बलों, बैंकिंग संस्थानों और प्रौद्योगिकी-प्रेरित विभागों में शामिल हो रहे उम्मीदवारों को प्रोत्साहित करते हुए श्री पुरी ने आशा व्यक्त की उनकी सेवा राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास और नागरिक-केंद्रित डिजिटल शासन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कार्यक्रम के दौरान, डॉ. जितेंद्र सिंह, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); तथा पीएमओ, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री, ने देशभर में 45 स्थानों पर एक साथ आयोजित रोजगार मेला को वर्चुअल रूप से संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इस संस्करण के दौरान वितरित कुल नियुक्ति पत्रों में से लगभग 49,200 गृह मंत्रालय और उसके संबद्ध बलों से संबंधित हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने महिला कांस्टेबलों की भर्ती में उल्लेखनीय वृद्धि पर प्रकाश डाला, इस का श्रेय पिछले 11 वर्षों में शुरू की गई प्रगतिशील सुधारों और सक्षमकारी नीतियों को दिया। महिलाओं की राष्ट्रीय सुरक्षा में बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए, उन्होंने नोट किया कि महिला बीएसएफ कर्मी अब अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर जीरो लाइन पर तैनात हैं, और गणतंत्र दिवस समारोह में कर्तव्य पथ पर पूर्ण पुरुष सीआरपीएफ टुकड़ी का नेतृत्व एक महिला सहायक कमांडेंट करेंगी—जो सशस्त्र बलों में लैंगिक समावेशिता का प्रतीक है।

आईटीबीपी की 50वीं वाहिनी, पंचकुला में रोजगार मेले की श्रृंखला के 18वें संस्करण का आयोजन

● आईटीबीपी 50वीं वाहिनी, पंचकुला में रोजगार मेले के 18वें संस्करण में 109 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित ● युवा ही विकसित भारत का आधार, 2047 के लक्ष्य को करेंगे साकार: मनोहर लाल ● पंचकुला में रोजगार मेला: प्रधानमंत्री के युवा-केंद्रित दृष्टिकोण को मिल रहा सशक्त आकार

पंचकुला। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) की 50वीं वाहिनी, सेक्टर-26, पंचकुला (हरियाणा) में रोजगार मेले की श्रृंखला के 18वें संस्करण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री मनोहर लाल, केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री, भारत सरकार रहे। कार्यक्रम में श्री पवन कुमार नेगी, उप महानिदेशक, क्षेत्रीय मुख्यालय (शिमला) भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने आईटीबीपी, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसबीआई, गेल (ब्रह्मपुरा) सहित अन्य केंद्रीय संस्थानों में चयनित 109 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। केंद्रीय मंत्री ने सभी चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मनोहर लाल ने सभी युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी युवाओं की हर प्रकार से चिंता करते हैं। प्रधानमंत्री जी का दृष्टिकोण युवाओं की शिक्षा, उनकी स्किलिंग, उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान करने तथा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि आज का युवा ही हमारा भविष्य है। जो युवा आज नौकरी प्राप्त कर रहा है, वही वर्ष 2047 में, जब देश 'विकसित भारत' के रूप में आगे बढ़ेगा, उस परिवर्तन का साक्षी बनेगा। आज युवाओं के कंधों पर जो जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, उसी के बल पर देश आगे बढ़ेगा, आत्मनिर्भर बनेगा और विकसित भारत का लक्ष्य साकार होगा।'

इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह नरकोटी, कमांडेंट, 50वीं वाहिनी, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रारंभ किया गया रोजगार मेला अभियान युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले की इस श्रृंखला के अंतर्गत देशभर में हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे देश को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने के लक्ष्य को बल मिल रहा है। कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थियों के परिजन, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के वरिष्ठ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

महर्षि वाल्मीकि की रचनाएं हमेशा शाश्वत रहेंगी : श्रुति चौधरी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि संत - महात्मा हमारे देश की पहचान हैं, जिन्होंने समय - समय पर सामाजिक बुराइयों को मिटाने का संदेश दिया है, उनमें भगवान महर्षि वाल्मीकि का नाम प्रमुखता से लिया जाता है, जिन्होंने रामायण की रचना की, जो हमेशा शाश्वत रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें उनके उपदेशों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। मंत्री श्रुति चौधरी शनिवार को भिवानी में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिसर में लव - कुश सेना समिति के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि के तृतीय मूर्ति स्थापना दिवस विचार कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि भारत की धरती धन्य है, जहां पर महर्षि वाल्मीकि की रचनाएं हमें मिली हैं, उनकी रचनाएं हमारा मार्गदर्शन का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि संत-महात्माओं की वाणी का प्रभाव हमेशा - हमेशा के लिए बना रहता है।

गांव को स्वच्छ और निर्मल बनाएं ग्राम पंचायतें : सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भिवानी के पंचायत भवन में माइनिंग फंड से जिला के विभिन्न गांवों को ट्रैक्टर-ट्राली और पानी के टैंकर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिला एवं बाल विकास और सिंचाई तथा जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भिवानी- महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने की।

कार्यक्रम में सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी और सांसद श्री धर्मबीर सिंह ने अपना संदेश देते हुए कहा कि ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों का दायित्व बनता है कि वे गांव को स्वच्छ और निर्मल बनाएं। केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा गांवों के विकास कार्य के लिए हर संभव सहायता राशि दी जा रही है। गांव का समग्र विकास ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों पर निर्भर होता है। कार्यक्रम में जिला के विभिन्न 42 गांवों को करीब दो करोड़ 84 लाख रुपए की लागत से ट्रैक्टर- ट्राली और टैंकर वितरित किए गए। मंत्री श्रुति चौधरी ने स्वयं ट्रैक्टर चला कर मेहनतकश होने का संदेश दिया। सिंचाई मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गांवों के समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गांवों के विकास में सरकार के साथ-साथ पंचायत प्रतिनिधियों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। वहीं दूसरी ओर उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा के नाम पर खानापूर्ति होती थी, लेकिन अब वीबी जी राम जी योजना से जरूरतमंद मजदूरों को और अधिक रोजगार मिलेगा, जिससे उनके परिवार में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार देश और प्रदेश के समग्र विकास में लगी है और आने वाले समय में हरियाणा प्रदेश और अधिक प्रगति करेगा।

युवा विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति में निभाएंगे महती भूमिका – राव इंद्रजीत सिंह

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार मेला के माध्यम से चयनित नवनियुक्त युवा विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति में महती भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि ये नियुक्तियां केवल रोजगार का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी हैं, जिसे युवा पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सेवा-भावना के साथ निभाएंगें। राव इंद्रजीत सिंह शनिवार को गुरुग्राम में आयोजित प्रधानमंत्री रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 218 नव-नियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में सोहना के विधायक तेजपाल तंवर भी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि देशभर में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रमों के दौरान 8,000 से अधिक महिला अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में युवाओं को पारदर्शी, समयबद्ध और निष्पक्ष रोजगार प्रदान करने की ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा का वास्तविक अर्थ अनुशासन, पारदर्शिता, ईमानदारी और सेवा-भावना से कार्य करना है।

केन्द्रीय मंत्री ने युवाओं का आह्वान् किया कि वे अपनी जड़ों को न भूलें और पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें, ताकि समाज और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि आज नियुक्त होने वाले युवा आने वाले समय में विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और देश को पुनः विश्वगुरु के मार्ग पर अग्रसर करेंगे।

सोनीपत में प्रधानमंत्री रोजगार मेले का आयोजन, चयनित युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति पत्र वितरित

सोनीपत में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम, विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ठोस पहल : गुर्जर

सोनीपत। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की देश के युवाओं को सरकारी नौकरी देने की संकल्प सिद्धि की दिशा में आज दिनांक 24 जनवरी 2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार मेले के 18वें संस्करण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर देशभर के 45 स्थानों पर चयनित 61,656 युवक-युवतियों, जिनमें 8,000 से अधिक नारी शक्ति शामिल हैं, को विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अभियान के अंतर्गत ग्रुप केन्द्र, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.), खेवड़ा, सोनीपत में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों, विशेष रूप से अर्धसैनिक बलों में चयनित 103 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण खेवड़ा स्थित सी.आर.पी.एफ. समूह केन्द्र में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री, भारत सरकार, श्री कृष्ण पाल गुर्जर उपस्थित रहे, जिन्होंने चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव रोजगार सृजन, नवाचार, तकनीक के उपयोग और नागरिकों को विकास के केंद्र में रखने पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि सोनीपत में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम, विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक ठोस पहल है। श्री गुर्जर ने कहा कि नवनियुक्त अभ्यर्थियों को द्वतह्वञ्ज कर्मयोगी पोर्टल पर 'कर्मयोगी प्रारंभ' ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षण का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है, जहां 1,588 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

कौशल बढ़ाने के लिए करें एआई का इस्तेमाल : हरविन्द्र कल्याण

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रौद्योगिकी जरूरत हो सकती है लेकिन कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) को ताकत बनाना है। कौशल बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) इस्तेमाल करना है। साथ ही इसके दुष्प्रभावों से भी बचना है। युवाओं को यह समझना होगा कि मानवीय बुद्धिमत्ता से एआई को कंट्रोल करने की जरूरत है। एआई हावी हो गई तो युवा पीढ़ी पथ भ्रष्ट हो सकती है। श्री कल्याण आज करनाल के रामनगर स्थित सनातन धर्म बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के 'वार्षिकोत्सव - परिवर्तन का शंखनाद', में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। इस अवसर पर श्री कल्याण ने कहा कि चकाचौंध भरे आज के युग में बहुत सी ऐसी चीजें जो हमें संस्कृति से दूर कर रही हैं, इनकी ओर युवा पीढ़ी का आकर्षित होना कहीं न कहीं समाज व राष्ट्र के लिए बड़ी चुनौती है। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के साथ सभी को मिलकर आगे बढ़ना है। इस संकल्प में तभी सहभागिता को सुनिश्चित कर सकेंगे जब देश के इतिहास, संस्कृति को समझने का प्रयास करेंगे। देश का लंबा सफर है। एक समय वह था जब भारत सोने की चिड़िया कहलाता था, उसके बाद गुलामी का लंबा काल खंड देश ने झेला जिसमें आर्थिक क्षति से ज्यादा संस्कृति पर चोट लगी। उन्होंने कहा कि संस्कार व संस्कृति हमारी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर कर रही है। प्रगति की पहली सीढ़ी कहे जाने वाले बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। देश तभी विकसित राष्ट्र बनेगा जब युवा पीढ़ी संस्कृति व संस्कारों से जुड़कर आगे बढ़ेगी। परीक्षा में अंक लेकर ऊंचे पद तो हासिल किए जा सकते हैं पर जिम्मेवार नागरिक बनने के लिए संस्कारों की जरूरत है। ऊंचे पद पर बैठा व्यक्ति संस्कारवान है तो उसके कार्य अलग ही दिखाई देते हैं।

हरियाणा लोक भवन में धूम-धाम से मनाया गया उत्तर प्रदेश दिवस

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस अवसर पर उत्तर प्रदेश की विरासत और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने शनिवार को उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं, और राज्य को भारत की सभ्यता, आध्यात्मिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की आत्मा बताया। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष जी, फतेहपुर सीकरी से सांसद श्री राजकुमार चाहर, माननीय राज्यपाल के सचिव श्री डीके बेहेरा, आईएएस, वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे।

हरियाणा लोक भवन में आयोजित उत्तर प्रदेश दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, माननीय राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि उत्तर प्रदेश सिर्फ एक भौगोलिक इकाई नहीं है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत का एक शाश्वत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह राज्य अयोध्या, मथुरा और काशी का घर है, जो भारत की आध्यात्मिक चेतना के तीन शाश्वत स्तंभ हैं। माननीय राज्यपाल ने कहा, 'अयोध्या में राम मंदिर आज आस्था, एकता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जो सदियों की भक्ति और लचीलेपन को दर्शाता है।'

भगवान कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा और गंगा के किनारे स्थित शाश्वत शहर काशी का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि ये पवित्र केंद्र लाखों लोगों को आध्यात्मिकता, ज्ञान और नैतिक शक्ति के मार्ग पर मार्गदर्शन करते रहते हैं। माननीय राज्यपाल ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम से लेकर महात्मा गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलनों तक, इस राज्य ने निडर क्रांतिकारियों, दूरदर्शी नेताओं और अनगिनत गुमनाम नायकों को जन्म दिया, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। समकालीन विकास पर बोलते हुए, माननीय राज्यपाल प्रो. घोष ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार भारत के आर्थिक विकास के एक प्रमुख इंजन के रूप में उभर रहा है। उन्होंने राज्य के परिवर्तन के प्रमुख चालक के रूप में तेजी से बुनियादी ढांचे के विस्तार, एक व्यापक एक्सप्रेसवे नेटवर्क, औद्योगिक गलियारों और निवेश-अनुकूल नीतियों की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा, 'विनिर्माण, कृषि और प्रौद्योगिकी पर मजबूत ध्यान देने के साथ, उत्तर प्रदेश समृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया रास्ता तय कर रहा है' और कहा कि ये प्रयास राष्ट्रीय विकास में राज्य के योगदान को मजबूत कर रहे हैं। नागरिकों से राज्य की समृद्ध विरासत से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए, माननीय राज्यपाल ने विरासत संरक्षण और आधुनिक प्रगति के बीच संतुलन बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'इस उत्तर प्रदेश दिवस पर, आइए हम एक मजबूत, समावेशी और विकसित उत्तर प्रदेश बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराएं जो भारत और दुनिया को प्रेरित करता रहे।' अपने भाषण में संसद सदस्य श्री राजकुमार चाहर ने बताया कि कैसे उत्तर प्रदेश आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी मार्गदर्शन में सर्वांगीण समावेशी विकास के प्रतीक के रूप में उभर रहा है।

नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने इमटैक के 42वें स्थापना दिवस समारोह में अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान की

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सीएसआईआर-सूक्ष्मजीव प्रद्यौगिकी संस्थान (इमटैक), चंडीगढ़ ने आज कई कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए अपना 42वां स्थापना दिवस मनाया, जिनमें नीति आयोग के सदस्य डॉ. विनोद के पॉल द्वारा दिया गया बहुप्रतीक्षित स्थापना दिवस व्याख्यान भी शामिल था। नीति आयोग में स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा विभागों का नेतृत्व कर रहे डॉ. पॉल ने इस वर्ष के स्थापना दिवस पर 'भविष्य महामारी की तैयारी: अब हमें क्या करना आवश्यक है' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. पॉल ने बताया कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत सरकार के सभी प्रयास विज्ञान और साक्ष्यों पर आधारित थे, और सरकार, राष्ट्र और समाज कार्य योजना के हितधारक थे। उन्होंने महामारी के दौरान इमटैक द्वारा आरटी-पीसीआर परीक्षण, कोविड-19 सबयूनिट प्रोटीन आधारित वैक्सीन के विकास और एसएआरएस-कोव-2 के खिलाफ एंटीवायरल स्क्रीनिंग शुरू करने के प्रयासों की सराहना की। भविष्य की महामारी की तैयारी के लिए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैज्ञानिकों को पहले से ही ऐसी रणनीतियों और उपायों के साथ तैयार रहना चाहिए जो प्रकोप के पहले 100 दिनों के भीतर उपलब्ध कराए जा सकें।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. पॉल ने कहा, 'हम युद्ध की तैयारी तब करते हैं जब हम युद्ध में नहीं होते, और भविष्य की महामारियों से निपटने के लिए बहुत सारा काम अभी इमटैक जैसी माइक्रोबियल प्रयोगशालाओं में किया जाना चाहिए। शासन, निगरानी, अनुसंधान और साझेदारी भविष्य की महामारी रणनीति के आधार स्तंभ हैं।' उन्होंने इमटैक के वैज्ञानिकों के लिए एक प्रारूप प्रस्तुत किया और उनसे उन प्रमुख रोगजनकों पर अनुसंधान करने का आग्रह किया जिनमें भविष्य में महामारियां फैलाने की क्षमता है। द्वितीय चरण के नैदानिक परीक्षण तक प्रतिउपाय विकसित करना, उद्योग के साथ साझेदारी में काम करना, कुशल आपूर्ति श्रृंखला बनाना और क्षमता एवं गति का प्रदर्शन करना भारत के लिए किसी भी महामारी शमन रणनीति की कुंजी होनी चाहिए। सीएसआईआर-इमटैक के निदेशक डॉ. संजीव खोसला ने इमटैक के 42वें स्थापना दिवस पर उपस्थित अतिथियों और संकाय सदस्यों का स्वागत करते हुए पिछले एक वर्ष में संस्थान की उपलब्धियों से अवगत कराया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, 'सूक्ष्मजीवों के साथ नवाचार करना और जीवन को प्रभावित करना पिछले चार दशकों से इमटैक परिवार के वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक रहा है। 42वां स्थापना दिवस इमटैक द्वारा चार दशकों से अधिक समय से सूक्ष्मजीव विज्ञान में उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है, जिसका उद्देश्य नवाचार को अग्रणी बनाकर भारत को भविष्य की ओर अग्रसर करना है।' डॉ. खोसला ने सीएसआईआर-इमटैक में जैव उपचार, प्राकृतिक खेती, रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर), तंत्रिका अपक्षयी रोग और अन्य उद्योगों के साथ सहयोग से चल रही परियोजनाओं के बारे में भी श्रोताओं को जानकारी दी।

संस्थान के सुदृढ़ उद्योग संपर्क कार्यक्रम के अनुरूप, सीएसआईआर-इमटैक ने अपने व्यापार विकास समूह के माध्यम से पुणे स्थित प्राज इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जर्मनी स्थित हेनकेल एजी एंड कंपनी के साथ दो गोपनीयता प्रकटीकरण समझौते (सीडीए) पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर, सीएसआईआर के पूर्व महानिदेशक और सीएसआईआर-इमटैक के निदेशक, स्वर्गीय डॉ. गिरीश साहनी की स्मृति में एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया। 'डॉ. गिरीश साहनी की जीवनी: विज्ञान और सेवा में एक जीवन' शीर्षक वाली यह पुस्तक चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. राजिंदर सिंह और एनआईपीईआर मोहाली के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. अभय एच. पांडे द्वारा लिखित है।